



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 992]  
No. 992]नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, सितम्बर 15, 2005/भाद्र 24, 1927  
NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 15, 2005/BHADRA 24, 1927

पर्यावरण और वन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 2005

का.आ. 1324(अ)।—निम्नलिखित प्रारूप अधिसूचना, जिसे केंद्रीय सरकार, कतिपय परियोजनाएं या क्रियाकलाप (का.आ. सं० 60(अ) तारीख 27 जनवरी, 1994) पर पूर्व पर्यावरणीय अनापत्ति की अपेक्षा करते हुए, पर्यावरण प्रभाव निर्धारण अधिसूचना के अधिक्रमण में भारत के किसी भाग में<sup>1</sup>, कुछ परियोजनाओं को चलाने या ऐसी विद्यमान परियोजनाओं के क्रियाकलापों या विस्तार या आधुनिकीकरण या अपरिहार्य क्षमता संवर्धन के क्रियाकलापों पर कतिपय निर्बंधन और प्रतिषेध अधिरोपित करने के लिए, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की धारा 3 की उपधारा (1) और उपधारा (2) के खंड (v) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग करते हुए, जारी करने का प्रस्ताव करती है, पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) की अपेक्षानुसार जनता की जानकारी के लिए, जिसकी उससे प्रभावित होने की संभावना है, प्रकाशित की जाती है और सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप अधिसूचना पर राजपत्र में उक्त अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से साठ दिनों के अवसान पर या उसके पश्चात् केंद्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा ;

प्रारूप अधिसूचना में अंतर्विष्ट प्रस्तावों पर कोई आक्षेप या सुझाव देने के लिए हितबद्ध कोई व्यक्ति डाक के माध्यम से सचिव, पर्यावरण और वन मंत्रालय, पर्यावरण भवन, सी०जी०ओ० काम्पलेक्स, लोटी रोड, नई दिल्ली - 110 003 को, ऐसी विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर लिखित में या इलेक्ट्रॉनिक रूप से ई-मेल पता secy men@nic.in पर भेज सकेगा ।

<sup>1</sup> भारत का राज्यव्यवस्था की राजनीति खंड और अनन्य आर्थिक जोन सम्मिलित है ।

### प्रालूप अधिसूचना

केंद्रीय सरकार ने भारत सरकार के पर्यावरण और बन मंत्रालय की अधिसूचना सं0 का0आ0 60(अ) तारीख 27 जनवरी, 1994 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिसूचना कहा गया है) द्वारा उक्त अधिसूचना की अनुसूची 1 में सूचीबद्ध किसी क्रियाकलाप या नयी परियोजना के विस्तार या आधुनिकीकरण पर कतिपय निर्बंधन और प्रतिषेध तब तक अधिरोपित करती है जब तक उक्त अधिसूचना में विनिर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार केंद्रीय सरकार या राज्य सरकार द्वारा पूर्व पर्यावरण अनापत्ति अनुदत्त न की गई हो ।

और उक्त अधिसूचना उस प्रस्तावित परियोजनाओं या क्रियाकलापों के कारण पर्यावरणीय प्रभाव के निर्धारण द्वारा आवश्यक पर्यावरणीय रक्षोपाय आपन में सफलता प्राप्त की हो जिसकी जनता और सुसंगत विशेषज्ञों के परामर्श को अंतर्वलित करते हुए, किसी पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से योजना प्रक्रम पर ही पूर्व पर्यावरणीय अनापत्ति अपेक्षित है ।

और केंद्रीय सरकार ने चलाई गई परियोजनाओं या क्रियाकलाप और केवल महत्वपूर्ण प्रभाव वाली परियोजनाओं और क्रियाकलाप को सम्मिलित करते हुए तथा समस्या और कठिनाइयों की पहचान करने और पर्यावरणीय समाधात निर्धारण (प.प्र.नि.) करने के लिए उल्लिखित किए जाने वाले अपेक्षित उपाय और अधिक पारदर्शी निपुण और प्रभावी करने के लिए पूर्व पर्यावरणीय अनापत्ति प्रक्रियाओं को सम्मिलित करने के लिए विद्यमान अधिरोपित निर्बंधन का पुनर्विलोकन किया है ।

और परियोजनाओं और क्रियाकलापों को पुनरीक्षित सूची के पुनर्विलोकन के परिणामस्वरूप उसकी पूर्व पर्यावरणीय अनापत्ति अपेक्षित होगी और केंद्रीय सरकार द्वारा जिसके अंतर्गत केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों या संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों, उद्योग संगम, संस्थाओं और स्वैच्छिक संगठनों भी हैं, विभिन्न शेयरधारकों से परामर्श करने के पश्चात् केंद्रीय सरकार द्वारा पुनरीक्षित पर्यावरणीय अनापत्ति प्रक्रिया विरचित की गई है ।

और केंद्रीय सरकार, भारत के किसी भाग में चलाई जा रही इस अधिसूचना की अनुसूची में यथा उपदर्शित नयी परियोजनाएं या क्रियाकलापों पर या विद्यमान परियोजनाओं या क्रियाकलापों के विस्तार या आधुनिकीकरण पर कतिपय निर्बंधन और प्रतिषेध को अधिरोपित करना लोकहित में तब तक आवश्यक समझती है, जब तक इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 3 के अधीन संबंधित राज्य सरकार या संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन के परामर्श से केंद्रीय सरकार द्वारा गठित किए जाने वाले केंद्रीय सरकार या राज्य तथा संघ राज्यक्षेत्र के रत्तर पर पर्यावरणीय समाधात निर्धारण प्राधिकरण द्वारा इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार पूर्व पर्यावरण अनापत्ति अनुदत्त नहीं की गई है ।

अतः, अब निम्नलिखित प्रारूप अधिसूचना, जिसे केंद्रीय सरकार पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) के खंड (घ) के साथ पठित पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 3 की उपधारा (1) और उपधारा (2) के खंड (v) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और अधिसूचना सं0 का.आ. 60(अ) तारीख 27 जनवरी, 1994 को उन बातों के सिवाए अधिकांत करते हुए, जिन्हें ऐसे अधिक्रमण से पूर्व किया गया है या करने का लोप किया गया है, जारी करने का प्रस्ताव करती है, और केंद्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) की अपेक्षानुसार यह प्रारूप अधिसूचना प्रकाशित करती है, जो, यथास्थिति, इस अधिसूचना में इसके पश्चात् विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं और प्रक्रिया के अनुसार केंद्रीय सरकार या संबंधित राज्य स्तर पर्यावरणीय समाधात निर्धारण प्राधिकरण द्वारा पूर्व पर्यावरणीय अनापत्ति अनुदत्त किए जाने के पश्चात् ही इसके अंतिम प्रकाशन की तारीख से ही भारत के ऐसी भाग में किए जाने के लिए इस अधिसूचना की अनुसूची में सूचीबद्ध नयी परियोजनाओं या क्रियाकलापों या विद्यमान परियोजनाओं के विस्तार या आधुनिकीकरण या क्रियाकलाप अपरिहार्य क्षमता संवर्धन अपेक्षित होगा ।

## 2. पूर्व पर्यावरणीय अनापत्ति की अपेक्षाएं (ई.सी.) :-

निम्नलिखित परियोजनाएं या क्रियाकलाप संबद्ध विनियामक प्राधिकरण से, जिसे इसमें इसके पश्चात् केंद्रीय सरकार के पर्यावरण और वन मंत्रालय के लिए मामले, जो अनुसूची में प्रवर्ग क में आते हैं, कहा गया है, पूर्व पर्यावरणीय अनापत्ति अपेक्षित, होगी और राज्य पर्यावरणीय समाधात निर्धारण प्राधिकरण (एस.ई.आई.ए.ए.)<sup>2</sup> पर उक्त अनुसूची में प्रवर्ग 'ख' के अधीन आने वाले मामले किसी निर्माण कार्य या परियोजना प्रबंधन द्वारा भूमि की तैयारी से पूर्व परियोजना या क्रियाकलाप प्रारंभ होता है ।

- (i) सभी नई परियोजनाएं या क्रियाकलाप इस अधिसूचना की अनुसूची में सूचीबद्ध हैं ;
- (ii) इस अधिसूचना में सूचीबद्ध इस अधिसूचना में विद्यमान परियोजनाओं या क्रियाकलाप का विस्तार या आधुनिकीकरण संबद्ध सेक्टर के लिए विनिर्दिष्ट सीमाओं से परे क्षमता के अतिरिक्त है अर्थात् जो विस्तार या आधुनिकीकरण के पश्चात् परियोजना या क्रियाकलाप जो अनुसूची में दी गई सीमाओं का प्रवेशद्वारा है ;
- (iii) विद्यमान विनिर्माण इकाई में उत्पाद मिश्रण में कोई परिवर्तन अनुसूची में समिलित विनिर्दिष्ट रेज के परे है ।

## 3. परियोजना और क्रियाकलापों का प्रवर्गीकरण :-

- (i) अनुसूची में प्रवर्ग 'क' के रूप में समिलित सभी परियोजनाएं या क्रियाकलाप, जिसके अंतर्गत विद्यमान परियोजनाओं या क्रियाकलापों का विस्तार और आधुनिकीकरण तथा उत्पाद मिश्र में

<sup>2</sup> दीर्घ राज्यों या संघ राज्यसेवों की दशा में, सम्बद्ध एस.ई.आई.ए.ए. की अधिकारिता लो टाइड जोन से 4 समुद्री मील ली दूरी तक नहीं जाएगी ।

परिवर्तन भी है, इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए केंद्रीय सरकार द्वारा विशेषज्ञ निर्धारण समिति (ई.ए.सी.) की सिफारिश पर गठित केंद्रीय सरकार, पर्यावरण और वन मंत्रालय से पूर्व पर्यावरणीय अनापत्ति अपेक्षित होगी।

- (ii) अनुसूची में प्रवर्ग 'ख' के रूप में सम्मिलित सभी परियोजनाएं या क्रियाकलाप, जिसके अंतर्गत पैरा 2 के उपपैरा (ii) में यथादिनिर्दिष्ट विद्यमान परियोजनाओं या क्रियाकलापों का पैरा 2 के उपपैरा (iii) में यथादिनिर्दिष्ट उत्पाद मिश्र में परिवर्तन का विस्तार और आधुनिकीकरण भी है, लेकिन उनको छोड़कर जो अनुसूची में अनुबद्ध सामान्य दशाओं को पूरा करते हैं, को राज्य/संघ राज्यक्षेत्र पर्यावरण समाधात निर्धारण प्राधिकरण से पूर्व पर्यावरणीय अनापत्ति अपेक्षित होगा। राज्य पर्यावरण समाधात निर्धारण इस अधिसूचना में यथाउपबंधित संबद्ध राज्य/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा गठित राज्य/संघ राज्यक्षेत्र रत्तर की विशेषज्ञ आंकलन समिति की सिफारिशों पर इसके विनिश्चयों पर आधारित होगा।
- (iii) अनुसूची में प्रवर्ग 'क'/'ख' के रूप में सम्मिलित सभी परियोजनाएं या क्रियाकलाप, जिसमें प्रवर्ग 'ख' परियोजनाएं या क्रियाकलाप जो अनुसूची में अनुबद्ध सामान्य दशाओं को पूरा करते हैं, केंद्रीय सरकार की पर्यावरण और वन मंत्रालय की विशेषज्ञ आंकलन समिति द्वारा स्क्रीन की जाएगी और उनके विनिर्दिष्ट अवरथान में प्रतिकूल तृतीय पक्षीय पर्यावरणीय समाधात के लिए उनके संभाव पर प्रवर्ग 'क' या प्रवर्ग 'ख' के रूप में पुनर्प्रवर्गीकृत किया जाएगा और उपर्युक्त (i) और (ii) में यथानिर्दिष्ट सम्बद्ध विनियामक प्राधिकारी द्वारा पूर्व पर्यावरणीय समाधात प्रदत्त किए जा सकते हैं।

4. स्क्रीनिंग, क्षेत्र और आंकलन समिति :— केंद्रीय सरकार की विशेषज्ञ आंकलन समिति और राज्य या संघ राज्यक्षेत्र में राज्य विशेषज्ञ आंकलन समिति का रत्तर क्रमशः प्रवर्ग 'क' या प्रवर्ग 'ख' में स्क्रीन, क्षेत्र और आंकलन परियोजनाओं या क्रियाकलापों में किया जाएगा।

- (क) केंद्रीय सरकार के स्तर पर विशेषज्ञ आंकलन समिति का गठन परिशिष्ट VI में दिया गया है। राज्य या संघ राज्यक्षेत्र के रत्तर पर राज्य विशेषज्ञ आंकलन समिति राज्य सरकार या संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन के परामर्श से केंद्रीय सरकार द्वारा समरूप गठन सहित गठित की जाएगी।
- (ख) केंद्रीय सरकार संबद्ध राज्य सरकार या संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन के पूर्ण सहयोग से प्रशासनिक क्षमता और लागत में कारणों से एक या अधिक राज्य या संघ राज्यक्षेत्र के लिए एक राज्य विशेषज्ञ आंकलन समिति गठित कर सकती है।
- (ग) विशेषज्ञ आंकलन समिति और राज्य विशेषज्ञ आंकलन समिति तीन वर्ष की अवधि के लिए गठित की जाएगी।

- (घ) विशेषज्ञ आंकलन समिति और राज्य विशेषज्ञ आंकलन समिति में संबद्ध प्राधिकृत सदस्य उस परियोजना या क्रियाकलाप के संबंध में जिसके लिए पूर्व पर्यावरणीय अनापत्ति मांगा गया है, को स्क्रीन करने या क्षेत्रीकरण करने के लिए या आंकलन के प्रयोजनों के लिए आवेदक को जो निरीक्षण के लिए आवश्यक सुविधाएं देगा, को कम से कम सात दिन पूर्व नोटिस देगा संबंधित स्थल साइटों का निरीक्षण कर सकता है।
- (ङ) विशेषज्ञ आंकलन समिति और राज्य विशेषज्ञ आंकलन समिति संयुक्त दायित्व के सिद्धांत पर कृत्य करेगी। अध्यक्ष प्रत्येक मामले में सहमति बनाने का प्रयास करेगा और सहमति नहीं बन पाती है तो बहुमत का विचार माना जाएगा।
- (च) सम्यक् रूप से गठित राज्य या संघ राज्यक्षेत्र स्तर पर राज्य विशेषज्ञ आंकलन समिति की अनुपस्थिति में संबंधित एस.ई.आई.ए.ए. विशेषज्ञ आंकलन समिति द्वारा व्यवहार की स्क्रीनिंग क्षेत्र और आंकलन के प्रार्थना सहित केंद्रीय सरकार को प्रवर्ग 'ख' में परियोजना या क्रियाकलाप के लिए आवेदन को निर्देश कर सकता है। ऐसे मामलों में विशेषज्ञ आंकलन समिति संबद्ध एस.ई.आई.ए.ए. को अपनी सिफारिशें सीधे भेजेगी।

5. पूर्व पर्यावरणीय अनापत्ति के लिए आवेदन (प.आ.) :— सभी मामलों में पर्यावरणीय अनापत्ति मांगने के लिए कोई आवेदन परियोजना और/या क्रियाकलाप, जिससे आवेदन संबंधित है, आवेदक द्वारा स्थल पर किसी सन्निर्माण क्रियाकलाप या भूमि पर तैयारी के प्रारंभ के पूर्व, पूर्वक्षित स्थल (स्थलों) की पहचान के पश्चात् परिशिष्ट 1 में यथा दिए गए विहित प्ररूप 1 और परिशिष्ट 2 में यथा दिए गए अनुपूरक प्ररूप 1क, यदि लागू हो, में किया जाएगा। आवेदक, हरित क्षेत्र परियोजनाओं के मामले में पूर्व साध्यता परियोजना और विद्यमान परियोजना के विरतार और आधुनिकीकरण इसके सिवाय कि प्ररूप 11 और अनुपूरक प्ररूप 1क के अतिरिक्त परियोजना या क्रियाकलाप (अनुसूची की मद 8) की एक प्रति आवेदन के साथ प्रस्तुत करेगा। पूर्व साध्यता रिपोर्ट के बजाए प्रत्ययात्मक योजना की रिपोर्ट प्रदान की जाएगी।

6. पूर्व पर्यावरणीय अनापत्ति (प.आ.) के प्रक्रम :— पर्यावरणीय अनापत्ति प्रक्रिया में अधिकतम चार प्रक्रम समाविष्ट होंगे जिसमें से सभी इस अधिसूचना में नीचे यथावर्णित विशिष्ट मामलों में लागू नहीं होंगे।

प्रक्रम 1 : छानबीन (प्रवर्ग 'क' परियोजनाएं और क्रियाकलापों के सिवाए)

प्रक्रम 2 : क्षेत्र

प्रक्रम 3 : लोक परामर्श

प्रक्रम 4 : मूल्यांकन

1. प्रक्रम 1 : छान बीन :

(i) “घान-बीन, परियोजनाओं या क्रियाकलापों के पर्यावरणीय प्रवर्ग निश्चित रामनुदेशन को निर्दिष्ट करता है जिसके संबंध में कोई आवेदन जहां उसे अनुसूची में पूर्ण रूप से विनिर्दिष्ट नहीं किया गया है, पूर्व वर्यावरणीय अनापति के लिए किया गया है।

(ii) प्रवर्ग ‘क/ख’ परियोजना या क्रियाकलापों के मामले में संबंधित परियोजना या क्रियाकलाप के प्रतिकूल तृतीय पक्षकार पर्यावरणीय प्रभाव के लिए प्रत्याशित सक्षमता पर निर्भर रहते हुए या तो प्रवर्ग “क” प्रवर्ग “ख” के रूप में परियोजना या क्रियाकलाप के प्रवर्गीकरण के लिए केंद्रीय सरकार की विशेषज्ञ आंकलन समिति द्वारा प्ररूप 1 में की गई पूर्ण वर्यावरणीय अनापति चाहने वाले किसी आवेदन की संवीक्षा यह प्रक्रम करेगा। परियोजना पर संबंधित राज्य सरकार या संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन के दिचार को समझने के लिए राज्य सरकार या संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन का प्रतिनिधि, प्रवर्ग क/ख परियोजना या क्रियाकलाप की छानबीन के सभी मामलों में विशेषज्ञ आंकलन समिति में आमंत्रित होगा।

(iii) प्रवर्ग “ख” परियोजनाओं या क्रियाकलापों के मामले में यह अवधारित करने के लिए कि क्या परियोजना या क्रियाकलाप को पर्यावरणीय अनुमति को मंजूर करने के लिए इसके पूर्व आंकलन हेतु पर्यावरणीय प्रभाव निर्धारण के और पर्यावरणीय अध्ययन की अपेक्षा नहीं है, संबंधित राज्य स्तर की विशेषज्ञ आंकलन समिति द्वारा प्ररूप 1 में पूर्ण पर्यावरणीय अनापति किसी आवेदन की संवीक्षा यह प्रक्रम करेगा। किसी पर्यावरणीय प्रभाव निर्धारण रिपोर्ट की अपेक्षा वाली परियोजनाओं की अपेक्षा वाली परियोजनाएं “ख1” के निबंधन के अनुसार होंगी और शेष परियोजनाएं प्रवर्ग “ख2” के अनुसार होंगी और पर्यावरणीय प्रभाव निर्धारण की आवश्यकता नहीं होगी।

(iv) विस्तार और/या आधुनिकीकरण और/या किसी विद्यमान परियोजना या क्रियाकलाप या क्रियाकलाप के मिश्रित उत्पाद में परिवर्तन के लिए पूर्व पर्यावरणीय अनापति के लिए किसी आवेदन के मामले में उसी की विशेषज्ञ आंकलन समिति या संबंधित राज्य स्तर की विशेषज्ञ आंकलन समिति द्वारा उसी प्रवर्ग के हरित क्षेत्र के लिए प्रस्तावित विस्तार और/या आधुनिकीकरण तथा या उत्पाद मिश्रणों में परिवर्तन के परिणामस्वरूप परियोजना या क्रियाकलाप के प्रवर्ग पर निर्भर रहते हुए छानबीन की जाएगी।

II. प्रक्रम 2 : क्षेत्र : उस प्रक्रिया विनिर्दिष्ट करता है जिसके द्वारा प्रवर्ग ‘क’ परियोजनाएं या क्रियाकलाप के मामले में निर्यात आंकलन समिति, और राज्य विद्यमान परियोजना या क्रियाकलाप के मिश्रित उत्पाद में विस्तार और/या आधुनिकीकरण और/या विद्यमान परियोजनाएं या क्रियाकलाप परियोजना या क्रियाकलाप के संबंध में पर्यावरणीय प्रभाव आंकलन रिपोर्ट की तैयारी के लिए रामी सुसंगत पर्यावरणीय सम्बद्ध को सौंपे गए कृत्य हैं जिसके लिए पूर्व पर्यावरणीय अनापति है। संबंधित विशेषज्ञ आंकलन समिति या राज्य स्तर विशेषज्ञ आंकलन समिति प्रस्तुत के आधार पर सौंपे गए कृत्य अवधारित करेगा और यदि संबंधित ई.ए.जी या एस.ई.ए. री. द्वारा आवश्यक समझा जाता है तो

संबंध ई.ए. सी या एस.ई.ए.सी के सुसंगत सदस्यों द्वारा सुसंगत दौरा किया जा सकेगा और परिशिष्ट 2 में दिए गए विहित प्ररूप में संबंधित ई.ए.जी या एस.ई.ए. सी में साथ अन्य जानकारी उपलब्ध हो सकेगी और अनुसूची (संनिर्माण) की मद 8 में प्रवर्ग 'ख' अनुसार सूचीबद्ध सभी परियोजनाएं और क्रियाकलापों का विस्तार<sup>3</sup> अपेक्षित नहीं होगा ।

(ii) सौंपे गए कृत्य को प्ररूप 1 की प्राप्ति के साठ दिन के भीतर संबंधित ई.ए.सी. या एस.ई.ए.सी द्वारा आवेदक को प्रेषित किया जाएगा । सौंपे गए कृत्य को पर्यावरण और वन मंत्रालय तथा संबंधित एस.ई.आई.ए.एस की वेबसाइट पर भी दर्शित किया जाएगा । पूर्व पर्यावरणीय अनापत्ति के लिए आवेदन को स्वयं इस प्रक्रम पर संबंधित ई.ए.सी. या एस.ई.ए.सी. की सिफारिश पर संबंधित विनियमित प्राधिकारी द्वारा पूर्व पर्यावरणीय अनापत्ति को अस्वीकृत किया जा सकेगा<sup>4</sup> । ऐसी अस्वीकृति के मामले में उसी के लिए कारणों के साथ विनिश्चय आवेदक को आवेदन की प्राप्ति के साठ दिन के भीतर लिखित में आवेदक को संसूचित किया जाएगा ।

### III प्रक्रम 3 : लोक परामर्श

(i) “लोक परामर्श” उस प्रक्रिया का निर्देश करता है जिसके द्वारा पर्यावरण प्रबंध योजना और ई आई ए में समुत्थान सामग्री को सूचित करने की दृष्टि से स्थानीय जनता के समुत्थान और अन्य संबंधित व्यक्तियों/सम्भाव्य प्रतिकूल पर्यावरणीय समाधान के बारे में प्रस्तावित परियोजना या क्रियाकलाप सुनिश्चित किए जाते हैं निम्नलिखित को छोड़कर सभी वर्ग “क” और वर्ग ख' परियोजनाएं और क्रियाकलाप लोक परामर्श<sup>5</sup> से किए जाएंगे : -

- (क) सिंचाई परियोजनाओं का आधुनिकीकरण (अनुसूची की मद 1(ग) (ii))
- (ख) संबंधित प्राधिकारियों के अनुमोदन से ऐसी सभी परियोजनाएं और क्रियाकलाप जो औद्योगिक संपदा या पार्कों के भीतर अवस्थित हैं, अनुसूची की मद 7ग और जिन्हें ऐसे अनुमोदन में अनुज्ञात नहीं किया गया है ।
- (ग) सड़कों और राजमार्गों का विस्तार (अनुसूची की मद 7(च))जिसमें भूमि का कोई और अर्जन अंतर्गत नहीं है ।
- (घ) 1,00,000 (1 लाख) वर्ग मीटर से अन्यून निर्मित क्षेत्र वाली संनिर्माण परियोजनाए [अनुसूची की मद 8 (क) का वर्ग ख]
- (ङ) ख 2 वर्ग की सभी परियोजनाएं और क्रियाकलाप ।
- (च) केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अवधारित राष्ट्रीय रक्षा और सुरक्षा से संबंधित सभी परियोजनाएं और क्रियाकलाप ।

<sup>3</sup> दूसरे शब्दों में उनका प्ररूप 1 और प्ररूप 1क तथा प्रत्ययात्मक योजना के आधार पर अंकन किया जाएगा ।

<sup>4</sup> पूर्व पर्यावरणीय अनापत्ति के लिए आवेदन पर राष्ट्रीय पर्यावरण नीति के सिद्धांतों के अनुसार विचार होना चाहिए । इन उद्देश्यों और सिद्धांतों से बाहर के कारणों आवेदन की स्वीकृति या अस्वीकृति के लिए आधार नहीं बनेंगे ।

<sup>5</sup> लोक परामर्श, सही रूप में परियोजना/क्रियाकलाप डिजाइन में बातों को ध्यान में रखते हुए, स्थानीय प्रभावित व्यक्तियों और अन्य की चिन्ताओं को जिनकी परियोजना/क्रियाकलाप का पर्यावरणीय समाधान पड़ता है, सुनिश्चित करने के आशय से है ।

(ii) लोकपरामर्श सामान्यतया निम्नलिखित दो घटकों को समाविष्ट करके होगा :-

(क) ऐसे स्थानीय व्यक्तियों, जिनके पास परियोजना के पर्यावरणीय समाधान में कोई सलाभ सामग्री है, को सुनिश्चित करने के लिए लोक सुनवाई स्थान पर या इसके सामीप्य में, जिलावार होगी। लोक सुनवाई परिशिष्ट (N) में विहित रीति में की जाएगी।

(ख) परियोजना या क्रियाकलाप की पर्यावरणीय अवधारणाओं में सलाभ अन्य संबंद्ध व्यक्तियों से संबंद्ध व्यक्तियों द्वारा लिखित में प्रतिक्रियाएं ली जाएंगी। संबंद्ध व्यक्तियों द्वारा प्रतिक्रियाएं निम्नलिखित रीति में पूरी की जाएंगी :-

(i) संबंधित विनियामक प्राधिकरण, संबंद्ध व्यक्तियों द्वारा आवेदक द्वारा परिशिष्ट III के दिए गए फार्मेट में तैयार की गई संक्षिप्त ई आई ए रिपोर्ट उनकी वेबसाइट पर रखकर उनकी वेबसाइट के माध्यम से आवेदक से संक्षिप्त रिपोर्ट के साथ किसी लिखित अनुरोध की प्राप्ति के सात दिन और प्रारूप ई आई ए रिपोर्ट साठ दिन की अवधि के भीतर मंगाएगा। विनियामक प्राधिकरण परियोजना या क्रियाकलाप के बारे में विस्तृत प्रचार सुनिश्चित करने के लिए अन्य उचित मीडिया का भी प्रयोग कर सकेगा। संबंद्ध विनियामक प्राधिकरण द्वारा प्रारूप ई आई ए रिपोर्ट ऐसे व्यक्तियों को शीघ्रता से उपलब्ध कराई जाएगी जो साठ दिन की अवधि के भीतर उसके लिए लिखित में अनुरोध करते हैं। संबंद्ध विनियामक प्राधिकरण द्वारा आवेदक को उपलब्ध कराई गई सभी प्रतिक्रियाओं की प्रतियां संबंद्ध व्यक्तियों से प्रतिक्रियाएं प्राप्त होने की उक्त अवधि समाप्त होने के सात दिन के भीतर भेजेगा।

(ii) राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड या संघ राज्य क्षेत्र प्रदूषण नियंत्रण समिति (स. रा. प्र. नि. स.) द्वारा आवेदक से अनुरोध होने के साठ दिन के भीतर विनिर्दिष्ट रीति में लोक सुनवाई स्थल पर या उसके सामीप्य में की जाएगी उसके पश्चात् वह लोक सुनवाई की कार्यवाइयों को 5 दिन के भीतर सीधे आवेदक संबंधित ई ए सी या एस ई ए सी और सम्बद्ध विनायक प्राधिकरण को भेजेगा।

(iii) यदि संबंद्ध राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड या संघ राज्य क्षेत्र प्रदूषण नियंत्रण समिति विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर लोक सुनवाई नहीं करती है, और या लोक सुनवाई की कार्यवाहियों को विहित अवधि के भीतर सीधे आवेदक संबंधित ई ए सी या एस ई ए सी और संबंद्ध विनियामक प्राधिकरण को संप्रेषित नहीं करता है तो, विनियामक प्राधिकरण दूसरे लोक अभिकरण या प्राधिकरण जो विनियामक प्राधिकरण के अधीनस्थ नहीं है, को और पैतालिस दिन की अवधि के भीतर प्रक्रिया को पूरा करने के लिए लगाएगा जिसमें लोक सुनवाई की कार्यवाहियों को सीधे आवेदक, संबंधित ई एसी या एसई एसी और संबंद्ध विनियामक प्राधिकरण को संप्रेषण भी सम्मिलित है।

(iv) यदि उपर्युक्त उप पैरा (i) और (ii) के अधीन नामनिर्दिष्ट लोक अभिकरण या प्राधिकरण विनियामक प्राधिकरण को यह रिपोर्ट करता है कि स्थानीय परिस्थिति के कारण लोक सुनवाई करना किसी ऐसी रीति में संभव नहीं है जो संबंधित लोक व्यक्तियों के विचारों को स्तवंत्र रूप से प्रकट करने को समर्थ बनाएगी तो वह संबंद्ध विनियामक प्राधिकरण को तथ्यों को विस्तार में रिपोर्ट करेगा, जो रिपोर्ट और अन्य विश्वसनीय जानकारी जो उसके पास है, का सम्यक् रूप से ध्यान रखने जाने के पश्चात् विनिश्चय कर सकेगा कि मामले में लोक परामर्श में लोक सुनवाई को सम्मिलित करने की आवश्यकता नहीं है।

(v) लोक परामर्श पूरा करने के पश्चात् आवेदक लोक परामर्श की प्रक्रिया में प्रकट किए गए सभी समुच्थान पर्यावरणीय सामग्री को लिख कर भेजेगा और प्रारूप ई आई ए और एम पी में समुचित परिवर्तन करेगा। इस प्रकार तैयार की गई अंतिम रिपोर्ट आवेदक द्वारा संबद्ध विनियामक प्राधिकरण को मूल्यांकन के लिए प्रस्तुत की जाएगी।

#### IV प्रक्रम 4 : मूल्यांकन

(i) “मूल्यांकन” से आवेदक द्वारा संबंधित विनियामक प्राधिकरण को, ई.ए. या एस. ई. ए.सी. द्वारा प्रस्तुत ई आई ए रिपोर्ट की विस्तृत संवीक्षा अभिप्रेत है। संबद्ध ई एसी या एस ई ए सी द्वारा ऐसे कार्यवाहियों में मूल्यांकन किया जाएगा जिनमें आवेदक अपने विकल्प पर व्यक्तिगत रूप से या उसके प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा सुना जा सकेगा। इन अनुबद्ध निबंधनों और शर्तों पर पूर्व पर्यावरणीय अनापत्ति प्रदान करने के लिए या पूर्व पर्यावरणीय अनापत्ति के लिए आवेदन को रद्द करेगा।

(ii) सभी परियोजनाओं या क्रियाकलापों का आंकलन जिसके लिए लोक परामर्श या ई आई ए रिपोर्ट प्रस्तुत करना अपेक्षित नहीं है, प्ररूप 1 या प्ररूप 1क के जो लागू हों विशेषज्ञ आंकलन समिति के सुसंगत सदस्यों या संबद्ध राज्य वि.आ.स. द्वारा सम्यक् रूप से यथा प्राधिकृत परियोजना या क्रियाकलापों को साइट पर देखना और अन्य सुसंगत सूचना जो वि.आ.सं. या संबंधित राज्य वि.आ.स. को उपलब्ध है, के आधार पर किया जाएगा।

(iii) क्षेत्र प्रक्रम और लोक परामर्श के दौरान अभियक्त संबंध पर अंतिम रूप से सौंपे गए कृत्यों के निबंधनों के अनुसार अंकन किया जाएगा और वे और उसे जहां अपेक्षित हो, ई. आई. ए रिपोर्ट की प्राप्ति के साठ दिन के भीतर अन्यथा प्ररूप 1 या 1क में आवेदन पूरा किया जाएगा, अंकन के लिए प्रक्रिया परिशिष्ट V में दी गई है।

#### 7. पूर्व पर्यावरणीय, अनापत्ति की मंजूरी या अस्वीकृति :

(i) विनियामक प्राधिकरण संबंधित ई ए सी या एस ई ए जी की सिफारिशों पर विचार करेगा और अंतिम ई. आई. ए. रिपोर्ट की प्राप्ति के एक सौ बीस दिन के भीतर आवेदक को अपना विनिश्चय प्रेषित करेगा और जहां ई.आई. ए. अपेक्षित नहीं वहां नीचे यथा उपबंधित के सिवाए सुसंगत विनिर्दिष्ट दस्तावेजों के साथ संपूर्ण आवेदन की प्राप्ति के एक सौ बीस दिन के भीतर प्रेषित करेगा।

(ii) विनियामक प्राधिकरण सामान्यतः संबंधित ई.ए.सी. या एस ई ए सी की सिफारिशों की स्वीकार करेगा उन मामलों में जहां यह संबंध ई.ए.सी. या एस ई ए जी की सिफारिशों से असहमत है वहां आवेदक को सूचनाधीन, असहमति के कारणों के साथ संबंधित ई.ए. सी. या एस.ई.ए.सी. की सिफारिशों की प्राप्ति के साठ दिन के भीतर संबंधित ई.ए.सी. या एस. ई.ए. सी द्वारा पुनः विचार करने का विनियामक प्राधिकरण को अनुरोध करेगा। संबंधित ई.ए.सी. या एस.ई.ए.सी विनियामक प्राधिकरण के संप्रेक्षण पर विचार करेगा और उसे अपने विचार साठ दिन की और अवधि के भीतर प्रस्तुत करेगा। ई.ए.सी. या एस. ई. ए. सी. की दृष्टि से विचार करने के पश्चात् विनियामक प्राधिकरण का विनिश्चय अंतिम होगा और उसे संबंधित ई.ए.सी. या एस. ई. ए. सी. के इन विचारों की प्राप्ति के तीस दिन के भीतर संबंधित विनियामक प्राधिकरण द्वारा आवेदक को प्रेषित किया जाएगा।

- (iii) उस दशा में जहां विनियामक प्राधिकरण का विनिश्चय लागू होता है उपरोक्त उप पैरा (i) या (ii) में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर आवेदक को संसूचित नहीं किया जाता है, वहां आवेदक इस प्रकार कार्यवाही कर सकेगा मानो पर्यावरण अनापत्ति को संबंधित ई.ए.सी.या एस.ई.ए.सी. की अंतिम सिफारिशों के निबंधनों के अनुसार विनियामक प्राधिकरण द्वारा मंजूर कर लिया गया है या अरवीकृत कर दिया गया है ।
- (iv) उपरोक्त पैरा (i) और पैरा (ii) के अधीन विनियामक प्राधिकरण द्वारा विनिश्चय के लिए विनिर्दिष्ट अवधि के अवसान पर विनियामक प्राधिकरण का विनश्चय और संबंधित ई.ए.सी.या एस.ई.ए.सी. की अंतिम सिफारिश लोक दस्तावेज होंगे ।
- (v) परियोजना या क्रियाकलाप, या संवीक्षा या विस्तारण या अंकन या संबंधित विनियामक प्राधिकरण द्वारा विनिश्चय की पूर्व पर्यावरणीय अनापत्ति के लिए आवेदनों की प्राप्ति के पूर्व अन्य विनियामक प्राधिकारियों से अनापत्ति तब तक अपेक्षित नहीं होगी जब तक इनमें से किसी देशी की अपेक्षा के कारण या आवश्यक तकनीकी कारणों से आनुक्रमिक रूप से निर्भर नहीं होता ।
- (vi) जान बूझ कर छिपाना मिथ्या या ग्रामक जानकारी या लाटा का प्रस्तुतीकरण जो कि आवेदन की संवीक्षा या विस्तारण या अंकन या विनिश्चय के लिए लात्यिक है, उस आधार पर आवेदन मंजूर किए गए पूर्व पर्यावरणीय अनापत्ति के अरवीकृत या रद्द किए जाने के लिए दायी होगा । किसी आवेदन की अरवीकृति या ऐसे आधार पर पहले ही से मंजूर किए गए पूर्व पर्यावरण अनापत्ति का रद्दकरण, आवेदक की वैयक्तिक सुनवाई के और नैसर्गिक न्याय के सिद्धांतों का अनुपालन के पश्चात् विनियामक प्राधिकरण द्वारा विनिश्चय किया जा सकेगा ।

8. पर्यावरणीय अनापत्ति (प.आ.) की विधि मान्यता : “पर्यावरणीय अनापत्ति की विधिमान्यता” से वह अवधि अभिप्रेत है जिसको विनियामक प्राधिकरण पूर्द पर्यावरणीय अनापत्ति मंजूर की जाती है या परियोजना या क्रियाकलाप द्वारा उत्पादन संक्रिया आरंभ करने या रानिर्माण परियोजनाएं (अनुसूची की मद 8)<sup>6</sup> के मामले में सभी संनिर्माण संक्रिया आरंभ करने के लाए जिसके लिए पूर्व पर्यावरणीय अनापत्ति के लिए आवेदन का निर्देश करता है, उपरोक्त पैरा 7 के उप पैरा (iv) के अधीन आवेदक को मंजूरी की उपधारणा की जा सकेगी । परियोजना या क्रियाकलाप के लिए मंजूर की गई पूर्व पर्यावरणीय अनापत्ति नदी घाटी परियोजनाओं (अनुसूची की मद 1(ग)) के मामले में दस वर्ष और अन्य परियोजनाओं और क्रियाकलापों के मामले में पांच वर्ष की अवधि के लिए विधि मान्य होगा । विधिमान्यता की अवधि संबंधित विनियामक प्राधिकरण द्वारा पांच वर्ष की अधिकतम अवधि तक बढ़ाई जा सकेगी ।

परंतु आवेदक द्वारा संनिर्माण परियोजनाओं या क्रियाकलाप (अनुसूची की मद 8) के लिए अद्यतन प्ररूप 1 और अनुपूरक प्ररूप 1क के साथ विधिमान्य अवधि के भीतर आवेदक द्वारा विनियामक प्राधिकरण को किया जाता हो । इस संबंध में विनियामक प्राधिकरण यथास्थिति ई.ए.सी. या एस.ई.ए.सी. से भी परामर्श ले सकेगा । विधिमान्य अवधि के लिए कोई भी विस्तारण नदी घाटी परियोजनाओं के लिए कुल पन्द्रह वर्ष और अन्य परियोजनाओं और क्रियाकलापों में कुल दस वर्ष से अधिक नहीं होगा ।

<sup>6</sup> विधिमान्यता की अवधि किसी परियोजना या क्रियाकलाप के जीवन पर्यंत प्रयालन के दौरान नए पर्यावरणीय अनापत्ति की प्राप्ति को नयीकरण द्वारा किसी अपेक्षा को निर्दिष्ट नहीं करता है ।

### 9. पश्च पर्यावरणीय अनापत्ति की मानिटरी

- (i) परियोजना प्रबंध के लिए यह आज्ञापक होगा कि वह प्रत्येक कलेंडर वर्ष के 1 जून और 1 दिसंबर को संबंधित विनियामक प्राधिकरण की हार्ड और साफ्ट कापी में अनुबंध किए गए पूर्व पर्यावरणीय अनापत्ति के संबंध में अर्धवार्षिक अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करें।
- (ii) परियोजना प्रबंधन द्वारा प्रस्तुत की गई ऐसी सभी अनुपालन रिपोर्ट लोक दस्तावेज होंगी। उन्हीं की प्रतियां प्राधिकरण को आवेदन पर किसी व्यक्ति को दी जा सकेंगी। ऐसी नवीनतम अनुपालन रिपोर्ट संबंधित विनियामक प्राधिकरण की वेबसाइट पर भी दर्शित की जाएगी।

### 10. पर्यावरणीय अनापत्ति (प.आ.) की अंतरणीयता :

किसी आवेदक को विनिर्दिष्ट परियोजना या क्रियाकलाप के लिए मंजूर की गई पूर्व पर्यावरणीय अनापत्ति को इसकी विधिमान्यता की अवधि के दौरान किसी अन्य व्यक्ति को अंतरित की जा सकेगी जो संबंधित विनियामक प्राधिकरण को उन्हीं निबंधनों और शर्तों पर जिसके अधीन पूर्व पर्यावरणीय अनापत्ति उसी विधि मान्य अवधि के लिए मंजूर की गई थी और उसके द्वारा अंतरक द्वारा लिखित में “आपत्ति नहीं” के साथ अंतरक द्वारा या अंतरिती द्वारा आवेदन पर परियोजना या क्रिया कलाप करने के लिए किसी अन्य पात्र विधिक व्यक्ति को अंतरित कर सकेगा। मामलों में संबंधित ई.ए.सी या एस.ई.ए.सी. को कोई निर्देश आवश्यक नहीं है।

11. लंबित मामलों के निपटान तक ई.आई.एस अधिसूचना का प्रवर्तन : इस अधिसूचना के अंतिम प्रकाशन की तारीख से समय समय पर यथा संशोधित पर्यावरणीय प्रभाव निर्धारण (प.प्र.नि) की अधिसूचना संख्या का.आ. 60 (अ) तारीख 27 जनवरी, 1994 को उस सीमा के सिवाए अधिक्रांत हुआ माना जाएगा, जो पूर्व पर्यावरणीय अनापत्ति के लिए किए गए सभी या कुछ प्रकार के मामलों और इस अधिसूचना की अंतिम प्रकाशन की तारीख के लंबित होने तक केन्द्रीय सरकार इस अधिसूचना के किसी एक या सभी उपबंधों को शिथिल कर सकेगी या उपर्युक्त अधिसूचना के जारी होने की तारीख से एक वर्ष से अनधिक अवधि के लिए उक्त अधिसूचना के कुछ या सभी उपबंध जारी या प्रवर्तन में रहेंगे।

## अनुसूची

## पूर्व पर्यावरणीय अनापति की अपेक्षा वाली परियोजनाएं या क्रियाकलापों की सूची

क्र. सं.	परियोजना या क्रियाकलाप	एन.आई.सी. कोड 2004	आई.एस.आईसी कोड	प्रवर्ण			शर्त, यदि कोई हो ।
				क	क/ख	ख	
खनिज का खनन, प्राकृतिक संसाधन का निष्कर्षण और विद्युत उत्पादन (विनिर्दिष्ट उत्पादन के लिए)							
(क)	खनिज का खनन	101 अपवाञ्जित 10103, 102 अपवर्जित 10203, 120, 131, 132, 141, 142		खनन पद्धता क्षेत्र का 50 है. ≥	खनन पद्धता क्षेत्र का 50 है. का 50 है. < 15 है. >	खनन पद्धता क्षेत्र का 50 है. 15 है. ≤ 5 है. ≥	खनन पद्धत उत्पादन का साधारण शर्त (सा.श. - I)
(ख)	आपाट और तटरत्न तेल तेला गेस की खोज, विकास और उत्पादन	1110, 1120		सभी परियोजनाएं			
(ग)	नदी धारी परियोजनाएं	40101, 45, 205, 45206		(i) जल विद्युत उत्पादन 20 मे.व. ≥ (ii)खेती योग्य प्रभावित क्षेत्र का 10,000 है. ≥	(i) जल विद्युत उत्पादन 20 मे.व. < (ii)खेती योग्य प्रभावित क्षेत्र का 10,000 है. <	(i) जल विद्युत उत्पादन 20 मे.व. < (ii)खेती योग्य प्रभावित क्षेत्र का 10,000 है. < (कोयला और गेस आधारित) 500 मे.व. < (डीचल आधारित) 50 मे.व. ≥	(कोयला और गेस आधारित) 500 मे.व. < डीचल आधारित 50 मे.व. <
(घ)	तापीय विद्युत संचालन	40102, 40103 45207		कोयला और गेस आधारित) 500 मे.व. ≥ सभी परियोजनाएं			
(ङ)	आणविक विद्युत परियोजनाएं और अणविक ईप्लन का प्रासंस्करण	40104, 45207 23300					
प्राथमिक प्रसंस्करण							
(क)	कोयला धोबनशालाएं	10103, 10203		वार्षिक कारबहते को रखे जाने के माध्यम से 1 मिलियन टन≥	वार्षिक कारबहते को रखे जाने के माध्यम से 1 मिलियन टन<	वार्षिक खनिज को रखे जाने के माध्यम से 0.1 मिलियन टन≥	वार्षिक खनिज को रखे जाने के माध्यम से 0.1 मिलियन टन<
(ख)	खनिज सञ्जीकरण						

सामग्री उत्पादन			
3			
(क)	प्राथमिक घाटुकर्म उद्योग (फैक्स और नीर फेरस)	271 अपवर्जित, 27120,272	सभी परियोजनाएँ सा.श. - I
(ख)	स्पैज लौह उद्योग	27120	सभी परियोजनाएँ बार्षिक उत्पादन क्षमता 1.0 मिलियन टन<
(ग)	सीर्भेट संयंत्र	26941,26992,26849	सभी परियोजनाएँ सा.श. - I
(घ)	सीरो, अम्ल, बैटरी का निर्माण करना		सभी परियोजनाएँ सा.श. - I
4			सभी परियोजनाएँ सा.श. - I
(क)	पेट्रोलिम परिक्रम उद्योग	2320	सभी परियोजनाएँ सा.श. - I
(ख)	कोक भट्टी संयंत्र	231	सभी परियोजनाएँ उत्पादन क्षमता 100टीफीडि<
(ग)	एस्ट्रेस्ट्रेस आधारित उत्पाद	-	उत्पादन क्षमता 100टीफीडि< या अधिसूचित औद्योगिक क्षेत्र/संपदा से बाह्य अवशिष्ट अवस्थित
(घ)	वल्टोर्सार उद्योग, सोडा धार उद्योग	24117 *	उत्पादन क्षमता 100टीफीडि< या अधिसूचित औद्योगिक क्षेत्र/संपदा के भीतर अवशिष्ट क्षिलीमय प्रकोष्ठ प्रोद्योगिकी परिवर्तन करने वाली विद्यमान इकाई को छूट प्राप्त की गई। विनिर्देश शर्त (वि.श.)
(ङ)	चमड़ा/त्वचा/सालत प्रसंस्करण उद्योग	1911 अपवर्जित 19116	अधिसूचित औद्योगिक क्षेत्र/संपदा के भीतर अवशिष्ट अवशिष्ट क्षेत्र। संपदा से बाह्य कोई नई इकाई और विद्यमान इकाई के विस्तारण की अनुमता नहीं दी जाएगी।
विनियोग/वनाना			
5			
(क)	रासायनिक उत्पाद	2412	सभी परियोजनाएँ
(ख)	नाशक जीव भार और नाशक जीवमार मध्यक विनियोगि अपवर्जित	2421 *	सभी परियोजनाएँ

(ग) पेट्रो रसायन परिसर (ऐटोलियम का भाग और प्राकृतिक गैस और या युआन्चित में सुधार प्रसंस्करण आधारित उद्योग		सभी परियोजनाएँ	
(घ) मानव निर्मित सूक्ष्म	2430	नेचन	अन्य सा.श. - I
(ज) पेट्रो रसायन आधारित प्रसंस्करण भूजन से गिन्न अन्य प्रसंस्करण तथा सुधार और जो परिसर के भीतर समाविष्ट नहीं है ।		अधिकृत औद्योगिक क्षेत्र/संपदा के बाह्य अवस्थित	सा.श. - I
(क) सरिलेट कार्बनिक रसायन उद्योग (रंजक और रंगक ध्याक; थोक औषधि; सरिलेट रबड़ मूल कार्बनिक रसायन)	2411 अपवर्जित 24117* 2423 अपवर्जित 24236*	अधिकृत औद्योगिक क्षेत्र/संपदा के बाह्य अवस्थित	अधिकृत औद्योगिक क्षेत्र/संपदा के भीतर अवस्थित
(छ) आसवनी	2413 1551	(1) सभी शीय आधारित आसवनी । (ii) सभी गन्ने का रस/गैर आसवनी 30 के एलडी >	सभी गन्ने का रस/गैर शीय आधारित आसवनी 30 के एलडी <
(ज) समोकित पेट उद्योग	24222		सभी परियोजनाएँ सा.श. - I
(झ) तुंदी और कागज उद्योग	2101	कागज विनिर्माण और तुंदी और कागज विनिर्माण उद्योग	तुंदी के बिना कागज विनिर्माण उद्योग
(झ) चीनी उद्योग	15x12 अपवर्जित (तुड़ और बूरा) 15422 और 23. 15426 और 27		गन्ना पीसने की क्षमता 2500 टीसीडी/
(झ) प्रेरण/आक भट्टी			सभी परियोजनाएँ सा.श. - I और विश.
(झ) आटोमेबाइल निर्माण एकक (स्फूटर, मोटर, साइकल, कार, ट्रक, और अन्य भारी कार्य यान उत्पाद)	3410	सभी परियोजनाएँ	
6		सेवा सेवन	
(क) तेल और गैस परिवहन नल (अपरिकृत और परिकृती /पेट्रो रसायन उत्पाद)	60300	एक राज्य/सं. श. से अधिक होकर जाने वाली सभी परियोजनाएँ	राज्य और सा.श. - के भीतर सभी परियोजनाएँ

		सभी परियोजनाएँ	सा.श. - I
(ख)	एकल भंडारकरण और परिस्कर्टमय रसायन को समालना (एम्प्रेसआइएचसी नियम, 1989 और 2000 की स्वीकृत अनुसूची 2 और 3 के संबंध 3 में उपदर्शित अनुसूची योजना परियोजना के अनुसार	63023*	
7	जिसमें पर्यावरणीय संवार्ता भी सम्मिलित है ।		
(क)	विमानपत्रन	सभी परियोजनाएँ	
(ख)	सभी पोत विघटन यार्ड जिसमें पोत विघटन इकाई भी सम्मिलित है	35117	सभी परियोजनाएँ
(ग)	अनुसूची के अनुसार अभियान प.अ. परियोजनाएँ और क्रियाकलाप औद्योगिक इस्टेट/पार्क/परिसर/ क्षेत्र/नियंत्रित प्रसंसंकरण जोन (नि.प्र.जो.), विशेष आर्थिक जोन (वि.आ.जो.) जैव तकनीकी पार्क घमड़ प्रक्षेत्र	50 हे. > क्षेत्र को सम्मिलित करते हुए सभी परियोजनाएँ	50 हे. < क्षेत्र को सम्मिलित करते हुए सभी परियोजनाएँ
(घ)	सामान्य परिस्कर्टमय उपचार अपरिषेष्ट, भंडारकरण और निपटान सुविधाएँ (उ.भ.नि.सु.) पतन बदराह	3712, 3722, 3800	सभी परियोजनाएँ
(ङ)	45203*	5 मिलियन टीपीस थेरा की उताई-धराई की क्षमता और फतन-बदराह (मत्स्य बदराह से बिन्न)	सा.श. - I
(च)	सड़क राजमार्ग	30 कि.मी. लंबाई 2 के सभी नए राष्ट्रीय राजमार्ग, या	सा.श. - I
(च)	45203*	30 कि.मी. लंबाई 2 के सभी परियोजनाएँ	

		एक्सप्रेस मार्ग और बाइपासे या		सभी राज्य राजमार्ग, विस्तार परियोजनाएं	
(फ)	1000 मी. ≥ समुद्रतल से ऊंचाई या त्री रुचुमार्ग	45203*	30 कि.मी. लंबाई ≥ और 20 कि.मी. से अधिक अतिरिक्त मार्गाधिकार	30 कि.मी. लंबाई ≥ और 20 कि.मी. से अधिक अतिरिक्त मार्गाधिकार	
(ग)	सामान्य लाव उपचार संयंत्र (स. ल उ. सं.)			सभी परियोजनाएं	
(इ)	सामान्य जेव विकित्तता अपशिष्ट प्रबंध सुविधा (स. जे.पि.अ.प्र.सु.)			सभी परियोजनाएं	
(ज)	नगरसालिका ट्रैस अपशिष्ट प्रबंध सुविधा (स. न.अ.प्र.स.)	90001	-	सभी परियोजनाएं	सा. रा. - I
(ट)	मेट्रो शहरों में सामूहिक शीघ्रगामी परिवहन प्रणाली	60212	सभी परियोजनाएं	-	सामान्य परियोजनाएं
(ट)	नारीय क्षेत्रों में पत्ताईओवर पुलें, सुरंगें	45203		सभी परियोजनाएं	सा. रा. - I
		निवासियाँ/कार्य/वाणिज्यिक परिसर/आवासन			
(क)	सभी परियोजनाओं का संनियापण (आवासिक और अनावासिक) -----	45201, 45202, 85110, 55101 दिसंसे 4510, 4530, 4540 मी. ह	≥ 1,00,000 वर्ग मी. के निर्मित क्षेत्र	≥ 20,000 वर्ग मी. और < 1,00,000 वर्ग मीटर के निर्मित क्षेत्र	सा. रा. - I आवृत संनियापण के लिए निर्मित क्षेत्र आकाश के लिए खुली सुविधाओं की दशा में यह क्रियाकलाप क्षेत्र भी होगा ।
(ख)	नए कार्से, नगर क्षेत्र और बंदोबस्त कालोनिया	7010	100 हें. क्षेत्र ≥ को सामूहिकता करते हुए ।	50 हें. क्षेत्र ≥ और 100 हें. क्षेत्र से में अवधिक ।	सा. रा. - 2

## टिप्पण

- कोड केवल विनिर्दिष्ट सीमा तक लागू है।

शर्तें :

## साधारण शर्तें (सा.श. I)

प्रवर्ग “ख” में विनिर्दिष्ट किसी परियोजना या क्रियाकलाप को प्रवर्ग “क ख” माना जाएगा, यदि वह :  
 (i) वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के अधीन अधिसूचित संरक्षित क्षेत्र; (ii) उसकी समय-समय पर  
 केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा गंभीर रूप से प्रदूषित क्षेत्र के रूप में पहचान की गई है; (iii) परिस्थितिकी  
 संवेदनशील क्षेत्र अधिसूचित है; और (iv) अंतरराज्य सीमाओं के दस किलोमीटर के भीतर संपूर्ण या उसके भाग में  
 अवस्थित है।

सा.श. - 2 :

अनुसूची के क्रम सं: 8(क) में प्रवर्ग ‘ख’ में विनिर्दिष्ट परियोजनाओं का क्रियाकलाप “क/ख” समझे  
 जाएंगे यदि वे अंतिम जनगणना के अनुसार 30 लाख से अधिक जनसंख्या वाले संपूर्ण या उसके भाग में अवस्थित  
 हैं।

## विनिर्दिष्ट शर्तें (वि.श.)

यदि कोई मद 3(ख), 4(डे), 5(च), 5(ट) जैसी समयुग्म की प्रकार का उद्योग वाला औद्योगिक संपदा/कांप्लेक्स पूर्व  
 पर्यावरणीय अनापत्ति प्राप्त करता है, कांप्लेक्सों के भीतर व्यष्टि उद्योग से पूर्व पर्यावरणीय अनापत्ति लेने की अपेक्षा  
 नहीं की जाएगी, जब तक कि औद्योगिक कांप्लेक्स/संपदा के लिए निवंधनों और शर्तों का अनुपालन नहीं किया  
 जाता है (ऐसी संपदा/कांप्लेक्सों की पूर्व पर्यावरणीय अनापत्ति की निवंधनों और शर्तों के लिए सहमता सुनिश्चित  
 करने के विधिक उत्तरदायित्व से स्पष्ट रूप से पहचान करने का प्रबंध होना चाहिए जिसे कांप्लेक्स/संपदा के सारे  
 जीवन में उसके अतिक्रमण के लिए उत्तरदायी ठहराया जा सकेगा)।

[ सं. जे-11013/56/2004-आई ए-II (I) ]

आर. चन्द्रमोहन, संयुक्त सचिव

## परिशिष्ट 1

## प्रलेप 1

## (1) आधारभूत जानकारी

परियोजना का नाम :

विचाराधीन अनुकूल्यी अवस्थिति/स्थान :

परियोजना का आकार :

संपर्क जानकारी :

संवीक्षा प्रवर्ग :

- अंचलीय क्रियाकलाप के लिए तत्त्वानी क्षमता (जैसे विनिर्माण करने के लिए उत्पादन क्षमता, खनिज उत्पादन के लिए खनन पट्टा क्षेत्र और उत्पादन क्षमता, खनिज पूर्वक्षण के लिए क्षेत्र, अनुरेख परिवहन अवसंरचना के लिए लंबाई, विद्युत उत्पादन आदि के उत्पादन क्षमता।)

## (II) क्रियाकलाप

- परियोजना का संनिर्माण, प्रचालन या न निकालना जिसमें ऐसी कार्रवाई भी सम्मिलित है जो परिक्षेत्र में भौतिक परिवर्तनों का कारण होगी (स्थलाकृति, भूमि उपयोग, जल निकायों में परिवर्तन आदि)

क्र.सं.	जानकारी/जांच सूची पुस्तिकरण	हाँ/नहीं	उनका ब्यौरे (लगभग मात्रा/दरों, सहित, जो संभव हो सहित) आंकड़ों की जानकारी के स्रोत सहित।
1.1	भूमि उपयोग, समावेश भूमि या स्थलाकृति में स्थायी या अस्थायी जिसमें भूमि उपयोग की मात्रा(स्थानीय भूमि उपयोग योजना के बारे में वृद्धि भी सम्मिलित है		
1.2	विद्यमान भूमि, वनस्पति और भवनों की अनापत्ति		
1.3	नई भूमि उपयोगों का सृजन		
1.4	संनिर्माण पूर्व अन्वेषण अर्थात् बोर, गृह, मिट्टी का परिक्षण करना		
1.5	संनिर्माण कार्य		

1.6	विधंस कार्य		
1.7	संनिर्माण कार्य या संनिर्माण मजदूरों के घर के प्रबंध के लिए उपयोग किए गए अस्थायी स्थल		
1.8	उपर्युक्त भू-भवन, संरचनाएं या धुस्त जिसमें अनुरक्षीय संरचनाएं, काटना और भरना या खुदाई भी सम्मिलित है ।		
1.9	भूमिगत कार्य जिसमें खनन सथा सुरंग बनाना भी सम्मिलित है ।		
1.10	भूमि उद्धार कार्य		
1.11	तलकर्षक		
1.12	अपतट संरचनाएं		
1.13	उत्पादन और विनिर्माण प्रक्रियाएं		
1.14	सामग्रियों या माल के भंडार की सुविधाएं		
1.15	ठोस अपशिष्ट या तरल बहिःकारों के उपचार या निपटान के लिए सुविधाएं		
1.16	परिचालन श्रेमिकों के दीर्घकालिक घर का प्रबंध के लिए सुविधाएं		
1.17	संनिर्माण या प्रचालन के दौरान नई सङ्क, रेल या समुद्री यातायात		
1.18	नई सङ्क, रेल, वायु जल वाहित या अन्य परिवहन अवसंरचना जिसमें नए या परिवर्तित मार्ग और स्टेशन, पत्तन, विमानपत्तन आदि भी सम्मिलित है ।		
1.19	विद्यमान परिवहन मार्गों को बंद करना या अपवर्तन या यातायात परिचालन में परिवर्तनों के लिए प्रमुख अवसंरचना		
1.20	नई या अपवर्तित प्रेषण लाईनें या पाइपलाइनें		
1.21	परिबद्धन, बांध बनाना, पुलिया बनाना, पुनःरेखांकन या जलमार्ग या एक्टीकरणों के जल विज्ञान के लिए अन्य परिवर्तन		
1.22	प्रवाह पार		
1.23	भूजल या भूतल कसे जनल का अंतरण या पृथक्करण		
1.24	नालियों या प्रवाह को प्रभावित करने वाले जलनिष्पादों या भूमि स्तर में परिवर्तन		
1.25	संनिर्माण, परिचालन या न निकालने के लिए कार्मिकम या सामग्रियों का परिवहन		
1.26	दीर्घकालिक रूप, तोड़ना, प्रारंभ करना या कार्य पुनः आरंभ करना ।		
1.27	आरंभ के दौरान जारी ऐसे क्रियाकलाप जो पर्यावरण पर समाधान कर सकेंगे ।		
1.28	जनता का किसी क्षेत्र के लिए या तो अस्थायी रूप से या स्थायी रूप से आना ।		
1.29	अन्य देशीय प्रजातियों का आना		
1.30	मूल निवासी प्रजातियों या आनुवंशिक विविधता की		

1.31	हानि अन्य कोई कार्रवाईयां		
------	------------------------------	--	--

2. परियोजना के संनिर्माण या प्रचालन के लिए प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग (जैसे भूमि, जल सामग्री या ऊर्जा विशेष रूप से ऐसा कोई संसाधन जो नवीकरणीय नहीं हैं या जिसका प्रदाय कम है

क्र.सं.	सूचना/जांच सूची पुष्टीकरण	हां/नहीं	सूचना आंकड़ों के स्रोत सहित उनके ब्यौरे (लगभग मात्राओं/दरों सहित, जहां कहीं संभव हो)
2.1	विशेष रूप से अविकसित भूमि या कृषि भूमि (है)		
2.2	जल (अनुमानित स्रोत और प्रतियोगी उपयोगकर्ता) इकाई : के.एल.टी.		
2.3	खनिज (एम.टी.)		
2.4	निर्माण सामग्री – पत्थर, औसत, बालू/मृदा (अनुमानित स्रोत एम.टी.)		
2.5	वन और इमारती लकड़ी (स्रोत -- एम.टी.)		
2.6	ऊर्जा जिसके अंतर्गत विद्युत और ईंधन (स्रोत, प्रतियोगी उपयोगकर्ता) इकाई : ईंधन (एम.टी.) ऊर्जा (एम.डब्ल्यू)		
2.7	कोई अन्य प्राकृतिक संसाधन (समुचित मानक इकाई)		

3. पदार्थों या सामग्रियों का उपयोग भंडारण, परिवहन, उठाई धराई या उत्पादन, जो मानव स्वास्थ्य या पर्यावरण के लिए खतरनाक या जिनके मानव स्वास्थ्य की जोखिम की वास्तविकता के बारे में चिंताएं उठती हैं।

क्र.सं.	सूचना/जांच सूची पुष्टिकरण	हां/नहीं	सूचना आंकड़ों के स्रोत सहित उनके ब्यौरे (लगभग मात्राओं/दरों सहित, जहां कहीं संभव हो)
3.1	पदार्थों या सामग्रियों का उपयोग जो मानव स्वास्थ्य या पर्यावरण (फ्लोरा, फोना और जल प्रदाय के लिए परिसंकटमय) (एम.एस.आई.एच.सी. नियमों के अनुसार) हैं		
3.2	रोग के होने में परिवर्तन या रोग वाहकों के रोग का प्रभाव (उद्हरणार्थ कीट या जल-जन्य रोग)		
3.3	लोगों के कल्याण पर प्रभाव उद्हरणार्थ जीवन दशाओं में परिवर्तन करके		
3.4	लोगों के संवेदनशील समूह जो परियोजना अर्थात् अस्पताल रोगियों, बालकों, वृद्धों आदि द्वारा प्रभावित हो सकते हैं		
3.5	कोई अन्य कारण		

4. निर्माण या प्रचालन या प्रारंभ न करने के दौरान ठोस अपशिष्टों का उत्पादन (एम.टी./मास)

क्र.सं.	सूचना/जांच सूची पुष्टीकरण	हाँ/नहीं	सूचना आंकड़ों के स्रोत सहित उनके ब्यौरे (लगभग मात्राओं/दरों सहित, जहाँ कहीं संभव हो)
4.1	मृदा, अधिक भार या खान अपशिष्ट		
4.2	नगरपालिक अपशिष्ट (घरेलू और या वाणिज्यिक अपशिष्ट)		
4.3	परिसंकटमय अपशिष्ट (परिसंकटमय अपशिष्ट प्रबंध तंत्र नियमों के अनुसार)		
4.4	अन्य औद्योगिक प्रक्रिया अपशिष्ट		
4.5	अधिशेष उत्पाद		
4.6	मल बही-स्राव उपचार से मल गाद या अन्य गाद		
4.7	निर्माण या ढाये गए अपशिष्ट		
4.8	बेकार मशीनरी या उपस्कर		
4.9	संदूषित मृदाएं या अन्य सामग्रियां		
4.10	कृषि अपशिष्ट		
4.11	अन्य ठोस अपशिष्ट		

5. वायु में संदूषकों या किसी परिसंकटमय विषेश या जहरीले पदार्थों का विसर्जन

क्र.सं.	सूचना/जांच सूची पुष्टीकरण	हाँ/नहीं	सूचना आंकड़ों के स्रोत सहित उनके ब्यौरे (लगभग मात्राओं/दरों सहित, जहाँ कहीं संभव हो)
5.1	लेखन सामग्री या चल संसाधनों से जीवाल्स ईंधनों के दहन से उत्सर्जन		
5.2	उत्पादन प्रक्रियाओं से उत्सर्जन		
5.3	सामग्रियों की उठाई धराई से जिसके अंतर्गत भंडारण या परिवहन भी है, उत्सर्जन		
5.4	निर्माण क्रियाकलापों से जिसके अंतर्गत संयंत्र और उपस्कर भी हैं, उत्सर्जन		
5.5	सामग्रियों की उठाई धराई से जिसके अंतर्गत निर्माण सामग्री, मल और अपशिष्ट भी हैं, धूल या गंध		
5.6	अपशिष्ट के भस्मीकरण से उत्सर्जन		
5.7	खुली वायु में अपशिष्ट के जलने से उत्सर्जन (उदाहरणार्थ स्लैश सामग्री, निर्माण सामग्री का ढेर)		
5.8	किन्हीं अन्य उत्सादनों से उत्सर्जन		

## 6. शेर और कंपन का पैदा होना तथा प्रकाश और उषा का उत्सर्जन

क्र.सं.	सूचना/जांच सूची पुष्टीकरण	हां/नहीं	सूचना आंकड़ों के स्रोत सहित उनके बौरे (लगभग मात्राओं/दरों सहित, जहां कहीं संभव हो)
6.1	उपस्कर के प्रचालन से उदाहरणार्थ ईंजन, वातायन संयंत्र, संदलनित्र		
6.2	औद्योगिक या उसी प्रकार की प्रक्रियाओं से		
6.3	निर्माण या ढहाने से		
6.4	विस्फोटन या पाइलिंग से		
6.5	निर्माण या प्रचालन संबंधी यातायात से		
6.6	प्रकाशन या प्रशीतन प्रणालियों से		
6.7	किन्हीं अन्य संसाधनों से		

## 7. भूमि या मल नातियों, सतही जल, भूमिगत जल, तटीय जल या समुद्र में प्रदूषकों के विसर्जन से भूमि या जल के संदूषण के जोखिम

क्र.सं.	सूचना/जांच सूची पुष्टीकरण	हां/नहीं	सूचना आंकड़ों के स्रोत सहित उनके बौरे (लगभग मात्राओं/दरों सहित, जहां कहीं संभव हो)
7.1	परिसंकटमय सामग्री की उठाई धराई, भंडारण, उपयोग या गाद से		
7.2	जल या भूमि में (अनुमानित ढंग और विसर्जन का स्थान) मल या अन्य बही आवों के विसर्जन से		
7.3	वायु से भूमि या जल में उत्सर्जित प्रदूषकों के जमा होने से		
7.4	किन्हीं अन्य संसाधनों से		
7.5	क्या इन संसाधनों से पर्यावरण में प्रदूषकों के जमा होने से दीर्घकालिक जोखिम है ?		

## 8. परियोजना के निर्माण या प्रचालन के दौरान दुर्घटनाओं का जोखिम जो मानव स्वास्थ्य या पर्यावरण को प्रभावित कर सकते हैं

क्र.सं.	सूचना/जांच सूची पुष्टीकरण	हां/नहीं	सूचना आंकड़ों के स्रोत सहित उनके बौरे (लगभग मात्राओं/दरों सहित, जहां कहीं संभव हो)
8.1	परिसंकटमय पदार्थों के विस्फोट, गाद, आग, भंडारण, उठाई धराई या उत्पादन से		
8.2	किन्हीं अन्य कारणों से		
8.3	क्या परियोजना प्राकृतिक विपदाओं द्वारा पर्यावरण को नुकसान पहुंचाएंगी (उदाहरणार्थ बाढ़, भूकंप, भू-सखलन, वृष्टिस्फोट आदि) ?		

9. बातें जिन पर विचार किया जाना चाहिए (जैसे परिणामिक विकास) जिनके कारण पर्यावरणीय प्रभाव होते हैं या जो संचयी प्रभावों को करने के लिए अन्य विद्यमान प्रभावों सहित या परिस्थिति में नियोजित क्रियाकलापों के लिए सामर्थ्यवान हैं

क्र.सं.	सूचना/जांच सूची पुष्टीकरण	हां/नहीं	सूचना आंकड़ों के स्रोत सहित उनके बीचे (लगभग मात्राओं/दरों सहित, जहां कहीं संभव हो)
9.1	<p>जिसके कारण आधार का विकास, सहायक विकास या परियोजना द्वारा विकास को बल मिलता है जिसका पर्यावरण पर प्रभाव हो सकता है अर्थात् --</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• आधारिक अवसंरचना (सड़कें, बिजली प्रदाय, अपशिष्ट या अपशिष्ट जल उपचार आदि)</li> <li>• आवासन विकास</li> <li>• निष्कर्षित उद्योग</li> <li>• पूर्ति उद्योग</li> <li>• अन्य</li> </ul>		
9.2	जिसके कारण स्थल का बाद में उपयोग होता है जिसका पर्यावरण पर प्रभाव हो सकता है		
9.3	पश्चात्यर्ती विकासों के लिए उदाहरण स्थापित करना		
9.4	सामिय के कारण अन्य विद्यमान परियोजनाओं पर संचयी प्रभाव हैं या उसी प्रकार के प्रभावों सहित नियोजित परियोजनाएं		

### (III) पर्यावरणीय संवेदनशीलता

क्र.सं.	क्षेत्र	नाम/पहचान	आकाशी दूरी (25 किलोमीटर के भीतर) प्रस्तावित परियोजना अवस्थान सीमा
1.	उनके पारिस्थितिक भू-दृश्य, सांस्कृतिक या अन्य संबंधित मूल्यों के लिए अंतरराष्ट्रीय कन्वेशन, राष्ट्रीय या स्थानीय विधान के अधीन संरक्षित क्षेत्र।		
2.	क्षेत्र जो पारिस्थितिक कारणों के लिए महत्वपूर्ण या संवेदनशील हैं - वेट लैड्स, जल स्रोत या अन्य जल संबंधी निकाय, तटीय जौन, बायोस्फीयर, पहाड़ियां, वन		
3.	क्षेत्र जो प्रजनन, घोसलम बनाने, चारे के लिए, आराम करने के लिए, सर्दी के लिए, प्रवास के लिए फ्लोरा और फोना के संरक्षित महत्वपूर्ण या संवेदनशील प्रजातियों द्वारा उपयोग किए जाते हैं		
4.	अंतरदेशीय, तटीय, सामुद्रिक या भूमिगत जल		

5.	राज्य, राष्ट्रीय सीमाएं		
6.	मनोरंजन की या अन्य पर्यटक/यात्रियों वाले क्षेत्रों में पहुंच के लिए जनता द्वारा उपयोग किए जाने वाले मार्ग या सुविधाएं		
7.	स्का प्रतिष्ठापन		
8.	संघन रूप से बसे हुए या निर्मित क्षेत्र		
9.	संवेदनशील मानव निर्मित भूमि उपयोगों के अधिभोगाधीन क्षेत्र अस्पताल, पाठशालाएं, पूजा स्थल, सामुदायिक सुविधाएं		
10.	महत्वपूर्ण, उच्च क्वालिटी या दुर्लभ संसाधनों वाले क्षेत्र (भूमिगत जल संसाधन, भूतल संसाधन, वनोद्योग, कृषि, मत्स्य उद्योग, पर्यटन, खनिज)		
11.	क्षेत्र जो पहले से ही प्रदूषण या पर्यावरणीय नुकसान के अधीन हैं (वे जहां विद्यमान विधिक पर्यावरणीय मानक अधिक होते हैं)		
12.	क्षेत्र जहां प्राकृतिक संकट हो सकता है जो वर्तमान पर्यावरणीय समस्याओं की योजनाओं को प्रभावित कर सकते हैं (धंसना, भूस्खलन, भूमि कटाव, बाढ़ या अत्यंत या प्रतिकूल वातावरणीय दशाएं)		

## परिशिष्ट 2

फार्म 1क

प्ररूप 1क

(केवल अनुसूची की मद 8 के अधीन सूचीबद्ध निर्माण परियोजनाओं के लिए)  
पर्यावरणीय प्रभावों की जांच सूची

(पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराने के लिए अपेक्षित परियोजना सलाहकार और जहां कहीं आवश्यक हो प्ररूप के साथ स्पष्टीकारक टिप्पण संलग्न करें तथा प्रस्तावित पर्यावरणीय प्रबंधतंत्र योजना और मानिटरी कार्यक्रम के साथ प्रस्तुत करें)

### 1. भूमि पर्यावरण

(परियोजना स्थल और आसपास का विशाल दृश्य संलग्न करें)

1.1 क्या विद्यमान भूमि के उपयोग में परियोजना से सारावान रूप से परिवर्तन किया जाएगा जो वातावरण आसपास से संगत नहीं है ? (प्रस्तावित भूमि उपयोग क्षेत्र के अनुमोदित मार्टर प्लान/विकास योजना के अनुरूप होना चाहिए) भूमि उपयोग में परिवर्तन यदि कोई हो और सक्षम प्राधिकारी से कानूनी अनुमोदन प्रस्तुत किया जाए) | (i) स्थल अवस्थान, (ii) प्रस्तावित स्थल (पांच सौ मीटर के भीतर आसपास के लक्षणों) और (iii) समुचित मापमान के स्थल (स्तर और समोच्च रेखा उपर्युक्त करते हुए) के नक्शे संलग्न करें।

1.2 भूमि क्षेत्र, निर्मित क्षेत्र, जल उपभोग, विद्युत अपेक्षा, संयोजकता, सामुदायिक सुविधाओं, पार्किंग आवश्यकताओं आदि के अनुसार सभी बड़ी परियोजना की आवश्यकताओं को सूचीबद्ध करें।

1.3 प्रस्तावित स्थल से संलग्न विद्यमान सुविधाओं पर प्रस्तावित क्रियाकलाप के संभावित प्रभाव क्या हैं ? (जैसे खुले स्थल, सामुदायिक सुविधाएं, विद्यमान भूमि उपयोग के ब्यौरे, स्थानीय पारिस्थिति में विघ्न)।

1.4 क्या किसी महत्वपूर्ण भूमि विघ्न के परिणामस्वरूप भूस्खलन, भूमि कटाव और अस्थिरता होगी ? (मृदा किस्म, त्रियक विश्लेषण, भूमि कटाव की संवेदनशीलता, भूकंपन आदि के ब्यौरे दिए जाएं)

1.5 क्या प्राकृतिक मल निकास प्रणाली के परिवर्तन से संबंधित प्रस्ताव है ? (प्रस्तावित परियोजना स्थल के निकट प्राकृतिक मल निकासी को दर्शित करते हुए किसी समोच्च नक्शे के ब्यौरे दें)

1.6 निर्माण क्रियाकलाप — कर्तन, भरण, भूमि सुधार आदि में अंतर्वलित भूमि कार्य की मात्राएं क्या हैं ? (अंतर्वलित भूमि कार्य, स्थल आदि के बाहर से सामग्री भरने के परिवहन के ब्यौरे दें)

1.7 निर्माण अवधि के दौरान जल प्रदाय अपशिष्ट उठाई धराई आदि के संबंध में ब्यौरे दें ।

1.8 क्या नीचे के क्षेत्रों और वेट लैंडस में परिवर्तन होंगे ? वह ब्यौरे दें कि किस प्रकार निचले क्षेत्र और वेट लैंडस प्रस्तावित क्रियाकलापों से उपांतरित हो रहे हैं

1.9 क्या निर्माण के दौरान निर्माण के कूड़ा करकट और अपशिष्ट से स्वास्थ्य को खतरा होगा ? (निर्माण के दौरान जिसके अंतर्गत निर्माण श्रम और व्ययन की युक्तियां भी हैं, जनित अपशिष्टों की विभिन्न किस्मों की मात्राएं दें ।)

## 2. जल पर्यावरण

2.1 विभिन्न उपयोगों की अपेक्षाओं के विश्लेषण सहित प्रस्तावित परियोजना के लिए जल अपेक्षा की कुल मात्रा दें । जल अपेक्षा की पूर्ति कैसे होगी । स्रोतों और मात्राओं का कथन करें तथा एक जल अतिशेष विवरण दें ।

2.2 जल के प्रस्तावित स्रोत की क्षमता क्या है ? (बहाव या प्राप्ति के आधार पर)

2.3 अपेक्षित जल की क्वालिटी क्या है यदि पूर्ति किसी नगर पालिक स्रोत से नहीं है ? (जल की क्वालिटी के वर्ग सहित भौतिक, रासायनिक, जैव वैज्ञानिक लक्षणों को दर्शित करें)

2.4 कितनी जल अपेक्षा की उपचारित बेकार जल के पुनः चक्रण से पूर्ति हो सकती है ? (मात्राओं, स्रोतों और उपयोगिताओं के ब्यौरे दें ।)

2.5 क्या अन्य उपयोगकर्ताओं से जल का उपयोजन होगा ? (कृपया अन्य विद्यमान उपयोगों और उपभोग की मात्राओं पर परियोजना के प्रभाव का निर्धारण करें)

2.6 प्रस्तावित क्रियाकलापों से प्राप्त बेकार जल से प्रदूषण के भार में क्या वृद्धि है ? (प्रस्तावित क्रियाकलापों से प्राप्त बेकार जल की मात्राओं और संघटन के ब्यौरे दें)

2.7 जल अपेक्षाओं की जल संचयन से हुई पूर्ति के ब्यौरे दें । सूजित सुविधाओं के ब्यौरे दें ।

2.8 दीर्घकालिक आधार पर निर्माण चरण के पश्चात् क्षेत्र की प्रस्तावित परियोजना के पूरा होने के लक्षणों (मात्रात्मकता के साथ-साथ क्वालिटी भी) के कारण भूमि उपयोग में हुए परिवर्तनों का क्या प्रभाव होगा ? क्या इससे बाढ़ या जल के जमा होने की किसी रूप में समस्या में वृद्धि होगी ?

2.9 भूमिगत जल पर प्रस्ताव के क्या प्रभाव होंगे ? (क्या भूमिगत जल में नल लगाया जाएगा ; भूमिगत जल की सारणी, पुनः प्रभारण क्षमता और सक्षम प्राधिकारी से अभिप्राप्त अनुमोदन यदि कोई हो के ब्यौरे दें)

2.10 भूमि और पनिलों को प्रदूषित करने वाले निर्माण क्रियाकलापों से बंद होने को रोकने के लिए क्या सातधानियां/कदम उठाए जाने हैं ? (प्रतिकूल प्रभावों से बचने के लिए मात्राओं और अपनाए जाने वाले उपायों के ब्यौरे दें)

- 2.11 स्थल के भीतर किस प्रकार रेज जल की व्यवस्था की जाएगी ? (क्षेत्र में बाढ़ से बचने के लिए किए गए उपाय और समोच्च स्तरों के उपर्योग के स्थल अभिन्नास सहित उपलब्ध कराई गई जल निकारी सुविधाओं के बारे का कथन करें)
- 2.12 क्या आवश्यक अवधि में विशेष रूप से निर्माण श्रमिकों के लगाए जाने से परियोजना स्थल के आसपास असरचक्षित दशाएं उत्पन्न हो जाती हैं ? (प्रतिक्रिया स्थापना करण से न्यायोचित ठहराएं)
- 2.13 स्थल सुविधाओं पर संग्रहण, उपचार और जल निकारी के सुरक्षित व्ययन के लिए क्या व्यवस्था की जाती है ? (पुनर्वर्क और व्ययन के लिए प्रोत्योगिकी और सुविधाओं सहित जनन, उपचार क्षमताओं की, चाहे जैरी हों मात्राओं के बारे दें)
- 2.14 दोहरी पंथिंग प्रणाली के बारे दें यदि उपयोग किए गए उपचारित अपशिष्ट का प्रसाधनों को बहाने या किसी अन्य उपयोग के लिए उपयोग किया जाता है ।

### 3 वनस्पति

- 3.1 क्या विविधता पर परियोजना का कोई खतरा है ? (स्थानीय पारिस्थितिक प्रणाली का उसकी विशिष्ट बातों सहित यदि कोई हो वर्णन करें)
- 3.2 क्या निर्माण में वनस्पति की विरहृत निकारी या उपांतरण अंतर्वलित है ? (परियोजना द्वारा प्रभावित वृक्षों और वनस्पति का विस्तृत लेखा जोखा दें)
- 3.3 महत्वपूर्ण स्थल की बातों पर प्रभावों को कम करने के लिए प्रस्तावित उपाय क्या हैं ? (किसी समुचित मापदण्ड के लिए किसी अभिन्नास योजना सहित वृक्षारोपण, भूदृश्य, जल निकारी आदि के सृजन के प्रस्ताव के बारे दें)

### 4. जीव जन्तु

- 4.1 क्या जीव जन्तुओं, स्थलीय और जलीय रूप से किसी प्रकार हटाने या उनके बलने फिरने के लिए रुकावटें होने की संभावना है ? बारे दें ।
- 4.2 क्षेत्र के जीव जन्तुओं पर क्या कोई प्रभाव या अप्रत्यक्ष प्रभाव है ? बारे दें ।
- 4.3 जीवजन्तुओं पर प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए कारीडोर, मछली सीड़ियों आदि जैसे उपाय विहित करें ।

### 5. वायु पर्यावरण

- 5.1 क्या परियोजना से द्वीपों में गैरों के लायूमेडलीय रांग्रेज में चुन्नि होगी और उसके परिणामस्वरूप ऊषा बढ़ेगी ? (प्रस्तावित निर्माणों के परिणामस्वरूप वर्धित धातायात बढ़ने को ध्यान में रखते हुए विक्षेपण आदर्शों पर आधारित अनुमानित मूल्यों सहित पृष्ठभूमि वायु क्वालिटी स्तरों के बारे दें)
- 5.2 धूल, जहरीली वाष्पों या अन्य परिष्कारमय गैरों के बनने पर क्या प्रभाव हैं ? सभी मौसम विज्ञान परिमापों के संबंध में बारे दें ।

5.3 क्या प्रस्ताव से यानों को पार्क करने के स्थल में कमी आएगी ? परिवहन अवसंरचना और सुधार के लिए प्रस्तावित उपायों के, जिसके अंतर्गत परियोजना स्थल के प्रवेश और निर्गम पर यातायात व्यवस्था भी है, विद्यमान स्तर के ब्यौरे दें ।

5.4 प्रत्येक प्रवर्ग के अधीन क्षेत्रों में आंतरिक राड़िकों, बाइसिकिल मार्गों, पैदल यात्री मार्गों, पैदल मार्गों आदि पर चलने के पैटर्नों के ब्यौरे दें ।

5.5 क्या यातायात शोर और कंपन में महत्वपूर्ण वृद्धि होगी ? ऊपर वर्णित बातों को कम करने के लिए स्रोतों और प्रस्तावित उपायों के ब्यौरे दें ।

5.6 परियोजना स्थल के आसपास शोर स्तरों और कंपन तथा धिरी हुई वायु की क्वालिटी पर डीजी सेटों और अन्य उपस्करों पर क्या प्रभाव होगा ? ब्यौरे दें ।

## 6. सौन्दर्यबौद्धी

6.1 क्या प्रस्तावित निर्माणों के परिणामस्वरूप किसी दृश्य, दृश्यसुविधा या भूदृश्य में रुकावट होगी ? क्या सलाहकारों ने इन बातों पर विचार कर लिया है ?

6.2 क्या विद्यमान परिनिर्माणों पर नए निर्माण से कोई प्रतिकूल प्रभाव होगा ? किन बातों को ध्यान में रखा गया है ?

6.3 क्या डिजाइन मापमान को प्रभावित करने वाले शहर रूपी या शहरी डिजाइनों का कोई स्थानीय आकलन है ? उनका स्पष्ट रूप से उल्लेख किया जा सकता है ।

6.4 क्या कोई मानव विज्ञान संबंधी या पुरातत्वीय स्थल या बाह्य चीजें आसपास में हैं ? कथन करें यदि कोई अन्य महत्वपूर्ण बात, जिसपर प्रस्तावित स्थल के परिस्थेत्र में होने पर विचार किया गया है ।

## 7. सामाजिक - आर्थिक पहलू

7.1 क्या प्रस्ताव के परिणामस्वरूप स्थानीय जनता के समाज संबंधी परिनिर्माणों में कोई परिवर्तन होगा ? ब्यौरे दें ।

7.2 प्रस्तावित परियोजना के आसपास विद्यमान सामाजिक अवसंरचना के ब्यौरे दें ।

7.3 क्या परियोजना से स्थानीय समुदायों पर प्रतिकूल प्रभाव, पवित्र स्थलों या अन्य सांस्कृतिक मूल्यों में विघ्न पड़ेगा ? प्रस्तावित सुरक्षापाय क्या हैं ?

## 8. निर्माण सामग्री

8.1 अधिक ऊर्जा सहित निर्माण सामग्री का उपयोग हो सकेगा । क्या ऊर्जा दक्ष प्रक्रियाओं सहित निर्माण सामग्री उत्पादित की जाती है ? (निर्माण सामग्री और उनकी ऊर्जा दक्षता का चयन करने में ऊर्जा संरक्षण उपायों के ब्यौरे दें)

8.2 निर्माण के दौरान सामग्री का परिवहन और उठाई धराई के कारण प्रदूषण, शोर और लोक अशान्ति हो सकती है । इन प्रभावों को कम करने के लिए क्या उपाय किए जाने हैं ?

- 8.3 क्या सड़कों और सनिमार्गों में पुनः चक्रित सामग्री उपयोग की जाती है ? की गई बचतों की सीमा का कथन करें ?
- 8.4 परियोजना के प्रचालन संबंधी चरणों के दौरान हुए कूड़े के संग्रहण, पृथक्करण और व्ययन की पद्धति के ब्यौरे दें।
- 9 ऊर्जा संरक्षण
- 9.1 विद्युत अपेक्षा प्रदाय के स्रोत, स्रोत आदि की पृष्ठभूमि आदि के ब्यौरे दें। निर्मित क्षेत्र में प्रति वर्ग फुट ऊर्जा खपत कितनी है ? ऊर्जा खपत को कम करने के लिए क्या प्रयास किए गए हैं ?
- 9.2 विद्युत की पृष्ठभूमि की किम्म और क्षमता, जिसको देने की आपकी योजना है, क्या है ?
- 9.3 उपयोग किए जाने वाले कांच के अभिलक्षण क्या हैं ? शार्ट वेव और लांग वेव विकिरण दोनों से संबंधित उसके अभिलक्षणों के विवरण दें।
- 9.4 भवन में कौन से अप्रत्यक्ष सौर वार्स्तविक कारक उपयोग किए जा रहे हैं ? प्रस्तावित परियोजना में किए गए उपयोजन को स्पष्ट करें।
- 9.5 क्या गलियों और भवनों के अभिन्यास सौर ऊर्जा युक्तियों की क्षमता को अधिकतम करते हैं ? क्या आपने भवन कम्प्लैक्स में उपयोग के लिए सड़क प्रकाशन आपात प्रकाशन और सौर तप्त जल प्रणालियों के उपयोग पर विचार कर लिया है ? ब्यौरों का सार दें।
- 9.6 क्या प्रशीतन/तापन भार को कम करने के लिए शेडिंग का प्रभावी रूप से उपयोग किया जाता है ? पूर्व और पश्चिम की दीवारों और छत पर शेडिंग को अधिकतम करने के लिए उपयोग करने के सिद्धांत क्या हैं ?
- 9.7 अधिकतम ऊर्जा को बचाने के लिए क्या किया गया है ? क्या परिनिर्माणों में ऊर्जा दक्ष स्थल शीतन, प्रकाशन और यांत्रिक प्रणालियों का उपयोग किया जाता है ? तकनीकी ब्यौरे दें। ट्रांसफार्मरों और मोटर दक्षता प्रकाशन सीव्रता, और वायु प्रशीतन भार धारणाओं के ब्यौरे दें। क्या आप रीएफसी एचसीएफसी फ्री चिलर्स का उपयोग कर रहे हैं ? विवरण दें।
- 9.8 सूक्ष्म जलवायु के परिवर्तन में भवन क्रियाकलापों के संभावित प्रभाव क्या हैं ? तप्त द्वीप और प्रतीपन प्रभावों के सृजन पर प्रस्तावित निर्माण के संभावित प्रभावों पर स्वतः निर्धारण का उल्लेख करें।
- 9.9 भवन आहाते के तापीय अभिलक्षण क्या हैं ? (क) छत ; (ख) बाह्य दीवारें ; और (ग) इरोखे ? उपयोग की गई सामग्री और व्यष्टिक संघटकों के यू मूल्यों या आर मूल्यों के ब्यौरे दें।
- 9.10 अग्नि संकट के लिए प्रस्तावित सावधानियां और सुरक्षा उपाय क्या हैं ? आपका योजनाओं के ब्यौरे दें।
- 9.11 दिवाल सामग्री के रूप में यदि कांच का उपयोग किया जाता है तो ब्यौरे और विवरण जिसके अंतर्गत उत्सर्जनता और तापीय अभिलक्षण भी हैं, दें।
- 9.12 भवन में वायु प्रवेशन की दर क्या है ? प्रवेशन के प्रभावों को कैसे कम कर रहे हैं, उसके ब्यौरे दें।
- 9.13 समग्र ऊर्जा खपत में अपारंपरिक ऊर्जा प्रोटोगिकियों का किसी सीमा तक उपयोग किया जाता है ? उपयोग की गई नवीकरणीय ऊर्जा प्रोटोगिकियों के ब्यौरे दें।

## 10 पर्यावरण प्रबंध योजना

पर्यावरण प्रबंध योजना में, निर्माण, प्रचालन और परियोजना के क्रियाकलापों के परिणामस्वरूप प्रतिकूल पर्यावरणीय प्रभावों को न्यूनतम करने के लिए समस्त जीवन चक्र के दौरान किए जाने वाले क्रियाकलापों की प्रत्येक मदावर के लिए सभी न्यूनतम करने वाले उपाय अंतर्विष्ट होंगे। इसमें विभिन्न पर्यावरणीय विनियमों के अनुपालन के लिए पर्यावरणीय मानिटरी योजना का आलेखन भी होगा। आपात की दशा में, जैसे स्थल पर दुर्घटना जिसके अंतर्गत आग लगना भी है, उठाए जाने वाले कदमों का कथन भी होगा।

## परिशिष्ट 3

## पर्यावरणीय समाधात निर्धारण दस्तावेज की साधारण संरचना

क्र.सं.	ईआईए संरचना	अंतर्वस्तु
1.	प्राक्कथन	<ul style="list-style-type: none"> <li>रिपोर्ट का प्रयोजन</li> <li>परियोजना और परियोजना सलाहकार की पहचान</li> <li>परियोजना की प्रकृति, साइज, अवस्थान का संक्षिप्त वर्णन और देश, प्रदेश में इसका महत्व</li> <li>अध्ययन का विस्तार — किए गए विनियामक विस्तार के ब्यौरे (सौंपे गए कृत्यों के अनुसार)</li> </ul>
2.	परियोजना वर्णन	<ul style="list-style-type: none"> <li>परियोजना के उन पहलुओं का संघनित वर्णन (परियोजना साध्यता अध्ययन पर आधारित) जिनकी पर्यावरणीय प्रभाव कारित करने की संभावना है। निम्नलिखित को स्पष्ट करने के लिए ब्यौरे उपबंधित किए जाने चाहिए :</li> <li>परियोजना के किस्म</li> <li>परियोजना की आवश्यकता</li> <li>अवस्थान (साधारण अवस्थान, विनिर्दिष्ट अवस्थान, परियोजना सीमा और परियोजना स्थल अभिन्नास को दर्शित करते हुए नक्शे)</li> <li>प्रचालन का साइज या विस्तार (जिसके अंतर्गत परियोजना द्वारा या उसके लिए अपेक्षित सहयोगित क्रियाकलाप)</li> <li>अनुमोदन और कार्यान्वयन के लिए प्रस्तावित अनुसूची</li> <li>प्रोटोग्रामी और प्रक्रिया वर्णन</li> <li>परियोजना वर्णन, जिसके अंतर्गत परियोजना अभिन्नास, परियोजना आदि के संघटकों को दर्शित करते हुए आरेखन।</li> <li>साध्यता आरेखनों के स्कीमबद्ध प्रतिनिधित्व जो ईआईए परियोजन के लिए महत्वपूर्ण जानकारी हैं।</li> <li>पर्यावरणीय मानकों, पर्यावरणीय प्रचालन दशाओं या अन्य ईआईए अपेक्षाओं की पूर्ति के लिए परियोजनाओं में सम्मिलित न्यूनिकरण उपायों का वर्णन (विस्तार द्वारा यथाअपेक्षित)</li> <li>प्रोटोग्रामीय असफलता के जोखिम के लिए नई और अपरीक्षित प्रोटोग्रामी का निर्धारण</li> </ul>
3.	पर्यावरण का वर्णन	<ul style="list-style-type: none"> <li>अध्ययन क्षेत्र, अवधि, संघटक और पट्टि</li> <li>विस्तार में पहचान किए गए मूल्यवान पर्यावरणीय संघटकों के लिए आधारिक लेखा की स्थापना</li> <li>सभी पर्यावरणीय संघटकों के आधार नक्शे</li> </ul>

4.	अमुमानित पर्यावरणीय समाधात और न्यूनीकरण उपाय	<ul style="list-style-type: none"> <li>परियोजना अवस्थान, संभावित दुर्घटनाओं, परियोजना डिजाइन, परियोजना निर्माण, नियमित प्रचालनों, पूरी की गई परियोजना को अंतिम रूप से बंद करना या पुनर्स्थापन के कारण अन्वेषित पर्यावरणीय समाधातों के ब्यौरे ।</li> <li>पहचान किए गए प्रतिकूल समाधातों न्यूनिकृत और/या दूर करने के लिए उपाय</li> <li>पर्यावरणीय संघटकों के असंपरिवर्तीय और पुनः प्राप्त न किए जा सकने वाले आश्वासन ।</li> <li>समाधातों के महत्व का निर्धारण (महत्व, महत्व, महत्व निर्धारण करने के लिए मापमान)</li> <li>न्यूनीकरण उपाय</li> </ul>
5:	अनुकूलियों का विश्लेषण (प्रोद्योगिकी और स्थल)	<ul style="list-style-type: none"> <li>यदि विस्तारित करने के कार्य के परिणामस्वरूप अनुकूलियों की आवश्यकता होती है :</li> <li>प्रत्येक अनुकूली का वर्णन</li> <li>प्रत्येक अनुकूली के प्रतिकूल समाधातों का सार</li> <li>प्रत्येक अनुकूली के लिए प्रस्तावित न्यूनीकरण उपाय और अनुकूली का चयन</li> </ul>
6.	पर्यावरणीय मानिटरी कार्यक्रम	<ul style="list-style-type: none"> <li>न्यूनीकरण उपायों की प्रभावशीलता को मानीटर करने के तकनीकी पहलू (जिसके अंतर्गत माप, पद्धति, आवर्त, अवस्थान, आंकड़े विश्लेषण, रिपोर्ट करने की अनुसूचियां, आपात प्रक्रियाएं, विस्तृत बजट और उपापन अनुसूचियां भी हैं)</li> </ul>
7.	अतिरिक्त अध्ययन	<ul style="list-style-type: none"> <li>लोक परामर्श</li> <li>जोखिम निर्धारण</li> <li>सामाजिक समाधात निर्धारण आर और आर अनुवर्ती योजनाएं</li> </ul>
8.	परियोजना के फायदे	<ul style="list-style-type: none"> <li>भौतिक अवसंरचना में सुधार</li> <li>सामाजिक अवसंरचना में सुधार</li> <li>नियोजन क्षमता - कुशल ; अर्धकुशल और अकुशल</li> <li>अन्य मूल फायदे</li> </ul>
9.	पर्यावरणीय लागत फायदा विश्लेषण	यदि विस्तारण प्रक्रम पर सिफारिश की जाती है ।
10.	ईएमपी	<ul style="list-style-type: none"> <li>यह सुनिश्चित करने के लिए कि न्यूनीकरण संबंधी उपाय कार्यान्वयित किए गए हैं और ईआईए के अनुमोदन के पश्चात् उनकी प्रभावी मानीटरी की गई है, प्रशासनिक पहलुओं का वर्णन ।</li> </ul>
11.	संक्षिप्त सार और निष्कर्ष (यह ईआईए रिपोर्ट का संक्षिप्त सार होगा)	<ul style="list-style-type: none"> <li>परियोजना के कार्यान्वयन के लिए समग्र आँधित्य ।</li> <li>यह रपब्लीकरण कि प्रतिकूल प्रभाव किस प्रकार कम किए जाते हैं</li> </ul>
12.	नियोजित परामर्शियों का प्रकटन	<ul style="list-style-type: none"> <li>उनके संक्षिप्त कार्य और दिए गए परामर्श की प्रकृति सहित नियोजित किए गए परामर्शियों के नाम</li> </ul>

परिशष्ट ३क

## संक्षिप्त पद्धतियों समाधान निर्धारण की अंतर्वस्तु

पर्यावरणीय समाधात निर्धारण का संक्षिप्त सार अधिकतम ए -4 आकार के दस पृष्ठों पर पूरी पर्यावरणीय समाधात पर्यावरणीय समाधात निर्धारण का संक्षिप्त सार अधिकतम ए -4 आकार के दस पृष्ठों पर पूरी पर्यावरणीय समाधात निर्धारण रिपोर्ट के निर्धारण का एक संक्षिप्त सार होगा । इसमें संक्षेप में अनिवार्य रूप से पूर्ण पर्यावरणीय समाधात निर्धारण रिपोर्ट के निम्नलिखित अध्याय होने चाहिए :-

- (1) परियोजना वर्णन :
  - (2) पर्यावरण का वर्णन :
  - (3) अनुमानित पर्यावरणीय समाधात और न्यूनीकरण उपाय :
  - (4) पर्यावरणीय मानीटरी कार्यक्रम :
  - (5) अतिरिक्त अध्ययन :
  - (6) परियोजना के फायदे :
  - (7) पर्यावरण प्रबंधन योजना :

परिशिष्ट 4

## लोक सूनवाई करने के लिए प्रक्रिया

1.0 लोक सुनवाई से संबंधित राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड या संघ राज्यक्षेत्र प्रदूषण नियंत्रण समिति द्वारा परियोजना स्थल (स्थलों) पर या जिलावार इसके निकट समिष्य में विस्तृत संभव लोक भागीदारी सुनिश्चित करते हुए एक प्रणालीबद्ध समयबद्ध और पारदर्शी रीति में व्यवस्थित की जाएगी।

२० परिया

2.1 आवेदक, उस राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड या संघ राज्यक्षेत्र प्रदूषण नियंत्रण समिति के सदस्य सचिव को, जिसकी अधिकारिता में परियोजना अवस्थित है, विहित कानूनी अवधि के भीतर लोक सुनवाई की व्यवस्था करने के लिए एक सरल पत्र के माध्यम से अनुरोध करेगा। यदि परियोजना स्थल किसी राज्य या संघ राज्यक्षेत्र के परे विस्तारित है तो लोक सुनवाई ऐसे प्रत्येक राज्य या संघ राज्यक्षेत्र में जिसमें परियोजना स्थित है आवश्यक होगी और आवेदक इस प्रक्रिया के अनुसार लोक सुनवाई करने के लिए प्रत्येक संबंधित राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड या संघ राज्यक्षेत्र प्रदूषण नियंत्रण समिति को पृथक अनुरोध करेगा।

- (क) जिला मजिस्ट्रेट
  - (ख) जिला परिषद या नगर निगम
  - (ग) जिला उद्योग कार्यालय
  - (घ) पर्यावरण और वन मंत्रालय का संबंधित प्रादेशिक कार्यालय

2.3 ऊपर उल्लिखित प्राधिकारी, पर्यावरण और वन मंत्रालय के सिवाय पर्यावरणीय समाजात निर्धारण रिपोर्ट की प्राप्ति पर इसकी, हितबद्ध व्यक्तियों से संबंधित विनियामक प्राधिकारियों को अपनी टीका-टिप्पणियां भेजने का

अनुराध करते हुए अपनी-अपनी अधिकारिता के भीतर इसका विस्तृत प्रचार करने की व्यवस्था करेंगे । वे लोक परामर्श के समाप्त होने तक सामान्य कार्यालय घंटों के दौरान इलैक्ट्रॉनिक रूप से या अन्यथा लोक निरीक्षण करने के लिए प्रारूप पर्यावरणीय समाधात निर्धारण रिपोर्ट भी उपलब्ध करेंगे । पर्यावरण और वन मंत्रालय अपनी वेबसाइट पर प्रारूप पर्यावरणीय समाधात निर्धारण रिपोर्ट का संक्षिप्त सार तत्परता से प्रकट करेगा और निर्देश के लिए मंत्रालय के नई दिल्ली पुस्तकालय में संपूर्ण प्रारूप पर्यावरणीय समाधात निर्धारण रिपोर्ट भी उपलब्ध करेगा ।

2.4 संबंधित राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड या संघ राज्य प्रदूषण नियंत्रण समिति भी राज्य/संघ राज्यक्षेत्र के भीतर परियोजना की बाबत प्रचार करने के लिए उसी प्रकार की व्यवस्था करेगी और चयनित कार्यालयों या लोक पुस्तकालयों या पंचायतों आदि में निरीक्षण के लिए प्रारूप पर्यावरणीय समाधात निर्धारण रिपोर्ट (परिशिष्ट 3क) का संक्षिप्त सार उपलब्ध करेगा । वे उपर्युक्त पांच प्राधिकारियों/कार्यालयों को अर्थात् पर्यावरण और वन मंत्रालय, जिला मजिस्ट्रेट आदि को प्रारूप पर्यावरणीय समाधात निर्धारण रिपोर्ट की एक प्रति अतिरिक्त रूप से भी उपलब्ध करेंगे ।

### 3.0 लोक सुनवाई की सूचना

3.1 संबंधित राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड या संघ राज्यक्षेत्र प्रदूषण नियंत्रण समिति का सदस्य सचिव परियोजना सलाहकार से प्रारूप पर्यावरणीय समाधात निर्धारण रिपोर्ट की परियोजना की प्राप्ति की तारीख से तीस दिनों के भीतर लोक सुनवाई करने के लिए तारीख, समय और निश्चित स्थान को अंतिम रूप देगा और उसे एक प्रमुख राष्ट्रीय दैनिक और एक प्रादेशिक प्रांतीय दैनिक समाचारपत्र में विज्ञापित करेगा । तीस दिनों की न्यूनतम सूचना अवधि, उनके उत्तरों को अंतरिम रूप देने के लिए जनता को उपलब्ध कराई जाएगी ।

3.2 विज्ञापन, लोक सुनवाई करने के लिए गठित पैनल की संरचना और उन स्थानों या कार्यालयों की बाबत जहां जनता प्रारूप पर्यावरणीय समाधात निर्धारण रिपोर्ट और पर्यावरणीय समाधात निर्धारण रिपोर्ट का संक्षिप्त सार तक पहुंच रख सकती है, जनता को सूचित भी करेगा ।

3.3 लोक सुनवाई की तारीख, समय और स्थान का आस्थगन तब तक नहीं किया जाएगा जब तक कोई अवांछित आपातकालीन स्थिति नहीं आ जाती है और केवल संबंधित जिला मजिस्ट्रेट की सिफारिश पर किया जाएगा । आस्थगन उसी राष्ट्रीय और प्रादेशिक प्रांतीय दैनिकों में जनता के लिए अधिसूचित किया जाएगा और सभी पहचान किए कार्यालयों पर प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाएगा ।

3.4 ऊपर आपातकालीन परिस्थितियों में लोक परामर्श के लिए नई तारीख, समय और स्थान संबंधित राज्य प्रदूषण नियुक्त्रण बोर्ड या संघ राज्य क्षेत्र प्रदूषण नियंत्रण समिति के सदस्य सचिव द्वारा केवल जिला मजिस्ट्रेट के परामर्श से विनिश्चित किया जाएगा और ऊपर 3.1 के अधीन प्रक्रिया के अनुसार फिर से अधिसूचित किया जाएगा ।

### 4.0 पैनल

4.1 जिला मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में या किसी अपर जिला मजिस्ट्रेट से अन्यून की पंक्ति के उसके प्रतिनिधि के अधीन एक पैनल समस्त लोक सुनवाई प्रक्रिया का पर्यवेक्षण और अध्यक्षता करेगा । पैनल के सदस्य निम्नलिखित होंगे :

(i) स्थानीय विधायक

(ii) स्थानीय निकायों जैसे नगरपालिका पंचायतों के सज्य या संघ राज्यक्षेत्र पर्यावरण विभाग द्वारा नामांनंदेशित तीन प्रतिनिधि जिनमें से कम से कम एक महिला और एक अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का व्यक्ति होगा :

(iii) जिला मजिस्ट्रेट द्वारा नामांनंदेशित क्षेत्र के तीन प्रमुख नागरिक जिनमें से कम महिला और एक अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का व्यक्ति होगा :

(iv) राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड या संघ राज्यक्षेत्र प्रदूषण नियंत्रण समिति का प्रतिनिधि :

(v) राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड या संघ राज्यक्षेत्र प्रदूषण नियंत्रण समिति द्वारा नामनिर्देशित तीन क्षेत्रीय विशेषज्ञ ।

### 5.0 वीडियोग्राफी

5.1 राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड या संघ राज्यक्षेत्र प्रदूषण नियंत्रण समिति समस्त कार्यवाहियों की एक वीडियो फिल्म की व्यवस्था करेगी । वीडियो टेप और सीडी की एक प्रति, इसे संबंधित विनियामक प्राधिकरण को अप्रेषित करते समय लोक सुनवाई कार्यवाईयों के साथ संलग्न करेगी ।

### 6.0 कार्यवाहियां

6.1 उन सभी की उपस्थिति जो स्थल पर उपस्थित हैं, लेखबद्ध की जाएगी और अंतिम कार्यवाहियों के साथ संलग्न की जाएगी ।

6.2 कार्यवाहियों को आरंभ करने के लिए उपस्थिति हेतु कोई गणपूर्ति अपेक्षित नहीं होगी किन्तु पैनल के कम से कम आधे सदस्य और जिला मजिस्ट्रेट या उसका प्रतिनिधि उपस्थित होने चाहिए ।

6.3 आवेदक का एक प्रतिनिधि परियोजना और पर्यावरण समाधात निर्धारण रिपोर्ट के प्रस्तुतिकरण के साथ कार्यवाहियां आरंभ करेगा ।

6.4 स्थल पर उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति को आवेदक और पैनल के सदस्यों से परियोजना पर जानकारी या रपटीकरण लेने का अवसर दिया जाएगा । लोक सुनवाई कार्यवाहियों के संक्षिप्त सार में राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड या संघ राज्यक्षेत्र प्रदूषण नियंत्रण समिति द्वारा सभी विचारों और अभिव्यक्त चिंताओं को सही रूप से प्रकट करते हुए लेखबद्ध किया जाएगा और प्रांतीय भाषा में विषय-वस्तु को स्पष्ट करते हुए कार्यवाहियों के अंत में श्रोताओं को पढ़ कर सुनाया जाएगा । उपस्थित पैनल के सभी सदस्य तब कार्यवाहियों पर हस्ताक्षर करेंगे ।

6.5 जनता द्वारा उठाए गए विवादों और आवेदक की टीका-टिप्पणियों का एक विवरण कि स्थानीय भाषा में और अंग्रेजी में तैयार किया जाएगा तथा कार्यवाहियों के साथ संलग्न किया जाएगा ।

6.6 लोक सुनवाई की कार्यवाहियों को पंचायतों के, जिसकी अधिकारिता में परियोजना अवस्थित है, कार्यालय में, संबंधित जिला परिषद, जिला मजिस्ट्रेट और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड या संघ राज्यक्षेत्र प्रदूषण नियंत्रण समिति के कार्यालय में तीस दिन की अवधि के लिए विपकाया जाएगा । राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड या संघ राज्यक्षेत्र प्रदूषण नियंत्रण समिति भी साधारण जानकारी के लिए अपने वेबसाइट पर कार्यवाहियों को प्रदर्शित करेगी, कार्यवाहियों पर टिप्पणियों को यदि कोई हो, संबंधित विनियामक प्राधिकरण और संबंधित आवेदक को प्रत्यक्षतः भेजा जा सकेगा ।

### 7.0 लोक सुनवाई को पूरा करने के लिए कालावधि

7.1 लोक सुनवाई, आवेदक से अनुरोध पत्र की प्राप्ति की तारीख से साठ दिनों की अवधि के भीतर पूरा किया जाएगा और कार्यवाहियों को संबंधित विनियामक प्राधिकरण को तीस दिन की अतिरिक्त अवधि के भीतर भेजा जाएगा । आवेदक भी, अनुमोदित लोक सुनवाई कार्यवाहियों की एक प्रति अंतिम पर्यावरण समाधात निर्धारण रिपोर्ट के साथ संबंधित विनियामक प्राधिकरण को भेज सकेगा ।

7.2 यदि राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड या संघ राज्य क्षेत्र प्रदूषण नियंत्रण समिति, नियत साठ दिनों के भीतर लोक सुनवाई करने में असफल रहती है तो केन्द्रीय सरकार का पर्यावरण और वन मंत्रालय प्रवर्ग के परियोजना या क्रियाकलाप के लिए और राज्य सरकार या संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन प्रवर्ग ख परियोजना या क्रियाकलाप के लिए राज्य क्रियाकलाप के लिए और राज्य सरकार या संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन प्रवर्ग ख परियोजना या क्रियाकलाप के लिए राज्य क्रियाकलाप के अनुरोध पर इस अधिसूचना में अधिकथित प्रक्रिया के अनुसार प्रक्रिया को पर्यावरण समाधात निर्धारण प्राधिकरण के अनुरोध पर इस अधिकरण के अनुसार प्रक्रिया को अन्य अधिकरण या प्राधिकरण को नियोजित करेगी ।

पूरा करने के लिए क्रीरी अन्य अधिकरण या प्राधिकरण को नियोजित करेगी ।

## परिशिष्ट 5

### अंकन के लिए विहित प्रक्रिया

1. आवेदक, निम्नलिखित दस्तावेजों को संलग्न करते हुए एक साधारण संसूचना के माध्यम से संबंधित विनियामक प्राधिकरण को आवेदन करेगा :-

- अंतिम पर्यावरण समाधात निर्धारण रिपोर्ट (20 (बीस) प्रति और 1 (एक) साफ्ट प्रति)
- लोक सुनवाई कार्यवाहियों की वीडियो टेप या सी.डी की एक प्रति
- अंतिम अभिन्यास योजना की एक प्रति (20 प्रतियाँ)
- परियोजना साध्यता रिपोर्ट की प्रति (एक प्रति)

2. आवेदक द्वारा प्रस्तुत की गई अंतिम पर्यावरणीय समाधात निर्धारण रिपोर्ट और अन्य सुरक्षित दस्तावेजों की टी.ओ.आर के प्रतिनिर्देश से संबंधित विनियामक प्राधिकरण द्वारा इसकी प्राप्ति की तारीख से तीस दिनों के भीतर कार्यालय में समीक्षा की जाएगी और सामने आई कमियों को इलेक्ट्रॉनिक रूप से या अन्यथा अंतिम पर्यावरणीय समाधात निर्धारण रिपोर्ट की एक प्रति संलग्न करते हुए, जिसके अंतर्गत लोक सुनवाई कार्यवाहियां और प्राप्त जनता के अन्य जवाब और प्रश्न 1 की प्रति समिलित है, पर्यावरणीय निर्धारण समिति और राज्य पर्यावरणीय निर्धारण समिति के सदस्यों को एक सेट संसूचित किया जाएगा ।

3. जहां, कोई औपचारिक पर्यावरणीय समाधात निर्धारण अध्ययन अपेक्षित नहीं है, वहां आवेदक विस्तारण प्रक्रम पर पर्यावरणीय निर्धारण समिति/राज्य पर्यावरणीय निर्धारण समिति द्वारा ईप्सित अतिरिक्त स्पष्टीकरणों को संलग्न करते हुए आवेदन करेगा । इन स्पष्टीकरणों की इनकी प्राप्ति के तीस दिन के भीतर समीक्षा की जाएगी और टीका-टिप्पणियों और प्रश्न 1 की एक प्रति सहित पर्यावरणीय समाधात समिति/ राज्य पर्यावरणीय निर्धारण समिति के सभी रादस्यों को अप्रेषित की जाएगी । आवेदक से परियोजनाओं की समीक्षा का अनुरोध करने के लिए कोई आवेदन करने की अपेक्षा की जाएगी । यदि कोई अतिरिक्त स्पष्टीकरण विस्तारण प्रक्रम पर पर्यावरणीय निर्धारण समिति/राज्य पर्यावरणीय निर्धारण समिति द्वारा ईप्सित नहीं किया गया है ।

4. संबंधित पर्यावरणीय निर्धारण समिति या राज्य पर्यावरणीय निर्धारण समिति के सदस्यों को संबोधित सभी ऊपर संसूचनाओं की एक प्रति भी आवेदक को पृष्ठाक्रित की जाएगी ।

5. प्रत्येक परियोजना प्रस्ताव पर्यावरणीय निर्धारण समिति/राज्य पर्यावरणीय निर्धारण समिति के समक्ष रखा जाएगा और परियोजना सलाहकार से अपेक्षित दस्तावेज/ व्यौरे सहित ऊपर आवेदन की प्राप्ति के साठ दिनों के भीतर इसका अंकन पूरा किया जाएगा ।

6. आवेदक को परियोजना प्रस्ताव पर विचार करने के लिए पर्यावरणीय निर्धारण समिति/राज्य पर्यावरणीय निर्धारण समिति की बैठक की नियत तारीख से कम से कम पूर्व सूचित किया जाएगा ।

7. पर्यावरणीय निर्धारण समिति/राज्य पर्यावरणीय निर्धारण समिति केवल टी.ओ.आर के प्रतिनिर्देश से अंतिम पर्यावरणीय समाधात निर्धारण रिपोर्ट का अंकन करेगी ।

8. पर्यावरणीय निर्धारण समिति/राज्य पर्यावरणीय निर्धारण समिति की बैठक के कार्यवृत्त को बैठक के पांच कार्यकरण दिवसों के भीतर अंतरिम रूप दिया जाएगा और संबंधित विनियामक प्राधिकरण की वेबसाइट पर प्रदर्शित किया जाएगा । यदि परियोजना या क्रियाकलाप की पर्यावरण समिति को मंजूर करने की सिफारिश की जाती है तो कार्यवृत्त विनिर्दिष्ट पर्यावरणीय खोपायों और शर्तों को स्पष्ट रूप से सूचीबद्ध किया जाएगा । यदि सिफारिशें रद्द कर दी जाती हैं तो उसके कारणों को स्पष्ट रूप से कथित किया जाएगा ।

## परिशिष्ट 6

**केन्द्रीय सरकार द्वारा गठित की जाने वाली प्रवर्ग क परियोजनाओं के लिए सेक्टर विनिर्दिष्ट पर्यावरणीय अंकन समिति की संरचना**

1. विशेषज्ञ अंकन समितियां निम्नलिखित पात्र मापमानों को पूरा करते हुए केवल वृत्तिकों और विशेषज्ञों से मिलकर बनेगी :

वृत्तिक : व्यक्ति के पास (i) संबंधित विद्या शाखा में एम.ए./एम.एस.सी डिग्री सहित पांच वर्ष का औपचारिक विश्वविद्यालय का प्रशिक्षण होना चाहिए या (ii) इंजीनियर/प्रोयोगिकी/वास्तुविद विद्या शाखाओं की दशा में, बी.टेक/बी.ई./बी.आर्क डिग्री के साथ क्षेत्र में गिरित व्यावहारिक प्रशिक्षण सहित चार वर्ष का औपचारिक प्रशिक्षण या बी.टी.ए./बी.ई./बी.आर्क डिग्री (जैसे विधि) जिसमें कुल पांच वर्ष का औपचारिक विश्वविद्यालय प्रशिक्षण और विहित व्यावहारिक प्रशिक्षण या (iv) विहित शिक्षुता/लार्डन तथा संबंधित वृत्तिक संगम द्वारा संचालित परिक्षाएं उत्तीर्ण (जैसे चार्टर्ड अकाउंटेंट) या (v) कोई विश्वविद्यालय डिग्री जिसके पश्चात् किसी विश्वविद्यालय या सेवा अकादमी में दो वर्ष का औपचारिक प्रशिक्षण (जैसे एम.बी.ए./ए.एस./आई.एफ.एस.) व्यष्टि वृत्तिकों का चयन करने में उनके द्वारा उनके संबंधित क्षेत्रों में प्राप्त अनुभव को ध्यान में रखें जाएगा ।

विशेषज्ञ : ऊपर पात्रता मापमान को पूरा करने वाला कोई वृत्तिक क्षेत्र में कम से कम पंद्रह वर्ष का सुसंगत अनुभव या संबंधित क्षेत्र में कोई उच्चतर डिग्री (जैसे बी.एच.डी. और कम से कम दस वर्ष का सुसंगत अनुभव) ।

आयु : सत्तर वर्ष से नीचे । तथापि, दिए गए क्षेत्र में विशेषज्ञों के उपलब्ध न होने/कमी की दशा में विशेषज्ञ अंकन समिति के किसी सदस्य की अधिकतम आयु को पच्चहतर वर्ष तक अनुज्ञात किया जा सकेगा ।

2. पर्यावरणीय निर्धारण समिति के सदस्य अपेक्षित विशेषज्ञता वाले और निम्नलिखित क्षेत्रों/विद्या शाखाओं में अनुभव वाले विशेषज्ञ होंगे । उस दशा में कि “विशेषज्ञों” के मापमान को पूरा करने वाले व्यक्ति उपलब्ध नहीं हैं तो उसी क्षेत्र में पर्याप्त अनुभव रखने वाले वृत्तिकों पर भी विचार किया जा सकेगा ।

- पर्यावरण क्वालिटी विशेषज्ञ : मापमान/मानिटर, विश्लेषण और पर्यावरणीय क्वालिटी से संबंधित आंकड़ों के निर्वचन में विशेषज्ञ ।
- परियोजना प्रबंधन में क्षेत्रीय विशेषज्ञ : सुसंगत क्षेत्रों में परियोजना प्रबंधन या प्रक्रिया/संक्रिया/सुविधा प्रबंधन में विशेषज्ञ ।
- पर्यावरणीय समाधात निर्धारण प्रक्रिया विशेषज्ञ : पर्यावरणीय समाधात निर्धारण संचालित करने वाले और कार्यान्वयित करने वाले और पर्यावरणीय प्रबंधन योजना तैयार करने वाले तथा अन्य प्रबंधन योजना तैयार करने वाले विशेषज्ञ जिनके पास विस्तृत विशेषज्ञता पूर्व सूचक तकनीकों और पर्यावरणीय समाधात निर्धारण प्रक्रिया में उपयोग किए जाने वाले औजारों का ज्ञान है ।
- जोखित निर्धारण विशेषज्ञ ।
- पेड़ पौधे और जीव जन्तु प्रबंधन में जीव विज्ञान विशेषज्ञ ।
- वन और वन्य जीव विशेषज्ञ ।
- परियोजना अंकन में अनुभव सहित पर्यावरणीय अर्थशास्त्र विशेषज्ञ ।

3. पर्यावरणीय निर्धारण समिति की सदस्यता पंद्रह नियमित सदस्यों से अधिक की नहीं होगी । तथापि, अध्यक्ष, समिति की किसी विशिष्ट बैठक के लिए किसी सुसंगत क्षेत्र में किसी सदस्य के रूप में किसी विशेषज्ञ को सहयोगित कर सकेगा ।

4. अध्यक्ष एक प्रमुख और अनुभव प्राप्त पर्यावरणीय निति विशेषज्ञ या प्रबंधन या लोक प्रशासन में, सुसंगत विकास सेक्टर में विस्तृत अनुभव वाला विशेषज्ञ होगा ।

5. अध्यक्ष, सदस्यों में से एक सदस्य को उपाध्यक्ष के रूप में नामनिर्देशित करेगा जो अध्यक्ष की अनुपस्थिति में पर्यावरणीय निर्धारण समिति का सभापतित्व करेगा।
6. पर्यावरण और वन मंत्रालय का एक प्रतिनिधि समिति की उसके सचिव के रूप में सहायता करेगा।
7. किसी सदस्य की अधिकतम पदाधिकार जिरफ्फे अंतर्गत अध्यक्ष भी है, प्रत्येक तीन वर्ष की दो पदाधिकारियों द्वारा नियुक्त होंगी।

**MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS**  
**NOTIFICATION**

New Delhi, the 15th September, 2005

**S.O. 1324(E).**—The following draft notification which the Central Government proposes to issue, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) and clause (v) of sub-section (2) of section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986) for imposing certain restrictions and prohibitions on the undertaking of some projects or activities or the expansion or modernization of such existing projects or activities entailing capacity addition, in any part of India<sup>1</sup>, in supersession of the Environment Impact Assessment Notification requiring prior environmental clearance on certain projects or activities (number S.O. 60 (E) dated the 27<sup>th</sup> January, 1994) is hereby published, as required under sub-rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986, for the information of the public likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft notification will be taken into consideration by the Central Government on or after the expiry of sixty days from the date of publication of said notification in the Official Gazette;

Any person interested in making any objections or suggestions on the proposals contained in the draft notification may do so in writing within the period so specified through post to the Secretary, Ministry of Environment and Forests, Paryavaran Bhawan, CGO complex, Lodi Road, New Delhi – 110 003, or electronically at e-mail address: secy menf@nic.in

**Draft Notification**

Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Environment and Forests number S.O. 60 (E), dated 27<sup>th</sup> January 1994 (hereinafter referred to as the said notification), the Central Government imposed certain restrictions and prohibitions on the expansion or modernization of any activity or new projects, listed in Schedule I to the said notification unless prior Environmental Clearance (EC) has been accorded by the Central Government or the State Government in accordance with the procedure specified in the said notification;

And whereas, the said notification has succeeded in realizing necessary environmental safeguards by assessing the environmental impacts due to the proposed projects or activities that require prior environmental clearance at the

<sup>1</sup> Includes the territorial waters of India and the Exclusive Economic Zone.

planning stage itself through a transparent process involving consultations with public and relevant experts;

And whereas, the Central Government has reviewed the existing restrictions imposed on undertaking projects or activities and the procedures and practices of environmental clearance to include only projects and activities with significant environmental impacts, and also to identify problems, constraints and measures required to be addressed for making the Environmental Impact Assessment (EIA) and prior environmental clearance processes more transparent, efficient, and effective;

And whereas, as a result of the review a revised list of projects and activities which would require prior Environmental Clearance and a revised Environmental Clearance process has been formulated by the Central Government after consultations with various stakeholders including Central Ministries, State Governments or the Union Territory Administrations, Industry Associations, Institutions and Voluntary Organizations;

And whereas, the Central Government considers, it is necessary in the public interest to impose certain restrictions and prohibitions on new projects or activities, or on the expansion or modernization of existing projects or activities, as indicated in the Schedule to this notification, being undertaken in any part of India, unless prior environmental clearance has been accorded in accordance with the procedure specified in this notification, by the Central Government or the State or Union Territory level Environment Impact Assessment Authority (SEIAA), to be constituted by the Central Government in consultation with the State Government or the Union Territory Administration concerned under section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986, for the purpose of this notification;

Now, therefore, the following draft notification which the Central Government proposes to issue in exercise of the powers conferred by sub-section (1) and clause (v) of sub-section (2) of section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986, read with clause (d) of sub-rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986 and in supersession of the notification number S.O. 60 (E) dated the 27<sup>th</sup> January, 1994, except in respect of things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby publishes this draft notification as required under sub rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986, which shall on and from the date of its final publication require new projects or activities or the expansion or modernization of existing projects or activities entailing capacity addition listed in the Schedule to this notification, to be undertaken in any part of India only after the same has been accorded prior environmental clearance by the Central Government or the State level Environment Impact Assessment Authority concerned, as the case may be in accordance with the requirements and procedure specified hereinafter in this notification.

**2. Requirements of prior Environmental Clearance (EC):**

The following projects or activities shall require prior environmental clearance from the concerned regulatory authority, which shall hereinafter refer to the Central Government in the Ministry of Environment and Forests for matters falling under Category 'A' in the Schedule and at State level the State Environment Impact Assessment Authority (SEIAA)<sup>2</sup>, for matters falling under Category 'B' in the said Schedule, before any construction work, or preparation of land by the project management, is started on the project or activity:

- (i) All new projects or activities listed in the Schedule to this notification;
- (ii) Expansion and modernization of existing projects or activities listed in the Schedule to this notification with addition of capacity beyond the limits specified for the concerned sector, that is, projects or activities which cross the threshold limits given in the Schedule, after expansion or modernization;
- (iii) Any change in product mix in an existing manufacturing unit included in Schedule beyond the specified range.

**3. Categorization of projects and activities:**

- (i) All projects or activities included as Category 'A' in the Schedule, including expansion and modernization of existing projects or activities and change in product mix, shall require prior environmental clearance from the Central Government in the Ministry of Environment and Forests (MoEF) on the recommendations of an Expert Appraisal Committee (EAC) to be constituted by the Central Government for the purposes of this notification;
- (ii) All projects or activities included as Category 'B' in the Schedule, including expansion and modernization of existing projects or activities as specified in sub paragraph (ii) of paragraph 2, or change in product mix as specified in sub paragraph (iii) of paragraph 2, but excluding those which fulfill the General Conditions (GC) stipulated in the Schedule, will require prior environmental clearance from the State/Union Territory Environment Impact Assessment Authority (SEIAA). The SEIAA will base its decision on the recommendations of a State/Union Territory level Expert Appraisal Committee (SEAC) to be constituted by the State Government /Union Territory Administration concerned, as provided for in this notification;

2 In case of coastal States or the Union territories, the seaward jurisdiction of the SEIAA concerned will extend to a distance of 04 nautical miles measured from the low-tide line.

(iii) All projects or activities included as Category 'A/B' in the Schedule, including Category 'B' projects or activities which fulfill the General Conditions (GC) stipulated in the Schedule, will be screened by the Expert Appraisal Committee (EAC) of the Central Government in the Ministry of Environment and Forests and re-categorized as either Category 'A' or Category 'B' based on their potential for adverse third party environmental impacts in their specific location, and prior environmental clearance may be granted by the concerned regulatory authority as indicated in sub paragraphs (i) and (ii) above.

#### 4. Screening, Scoping and Appraisal Committees:

The same Expert Appraisal Committees (EACs) at the Central Government and SEACs at the State or the Union Territory level shall screen, scope and appraise projects or activities in Category 'A' and Category 'B' respectively.

- (a) The composition of the EAC at the level of the Central Government is given in Appendix VI. The SEACs at the State or the Union Territory level shall be constituted by the Central Government in consultation with the concerned State Government or the Union Territory Administration with identical composition,
- (b) The Central Government may, with the prior concurrence of the concerned State Governments or the Union Territory Administrations, constitute a SEAC for more than one State or the Union Territory for reasons of administrative efficiency and cost.
- (c) The EAC and SEAC shall be constituted for period of three years.
- (d) The authorised members of the EAC and SEAC, concerned, may inspect any site(s) connected with the project or activity in respect of which the prior environmental clearance is sought, for the purposes of screening or scoping or appraisal, with prior notice of at least seven days to the applicant, who shall provide necessary facilities for the inspection.
- (e) The EAC and SEACs shall function on the principle of collective responsibility. The Chairperson shall endeavour to reach a consensus in each case, and if consensus cannot be reached, the view of the majority shall prevail.
- (f) In the absence of a duly constituted State or the Union Territory level SEAC, the concerned SEIAA may refer an application for a project or activity in Category 'B' to the Central Government with a request for conduct of screening, scoping and appraisal by the EAC. In such cases, the EAC will send its recommendations directly to the SEIAA concerned. The final decision on such application shall remain with the SEIAA concerned.

## 5. Application for Prior Environmental Clearance (EC):

An application seeking prior environmental clearance in all cases shall be made in the prescribed Form 1, as given in Appendix I, and Supplementary Form 1A, if applicable, as given in Appendix II, after the identification of prospective site(s) for the project and/or activities to which the application relates, before commencing any construction activity, or preparation of land, at the site by the applicant. The applicant shall furnish, along with the application, a copy of the pre-feasibility project report in the case of greenfield projects, and expansion and modernization of existing projects and/or activities, except that, in case of construction projects or activities (Item 8 of the Schedule) in addition to Form 1 and the Supplementary Form 1A, a copy of the conceptual plan shall be provided, instead of the pre-feasibility report.

## 6. Stages in the Prior Environmental Clearance (EC) Process:

The environmental clearance process will comprise of a maximum of four stages, all of which may not apply to particular cases as set forth below in this notification. These four stages in sequential order are:

- Stage 1: Screening (except for Category 'A' projects and activities)
- Stage 2: Scoping
- Stage 3: Public Consultation
- Stage 4: Appraisal

### I. Stage 1: Screening:

(i) "Screening" refers to the definite assignment of environmental Category to projects or activities in respect of which an application is made for prior Environmental Clearance, where the same is not completely specified in the Schedule.

(ii) In case of Category 'A'/B' projects or activities, this stage will entail the scrutiny of an application seeking prior environmental clearance made in Form 1, by the Expert Appraisal Committee in the Central Government for categorizing the project or activity as either Category 'A' or Category 'B' depending upon the anticipated potential for adverse third party environmental impacts of the concerned project or activity. In order to consider the views of the State Government or the Union Territory Administration concerned on the project, a representative of the State Government or the Union Territory Administration shall be an invitee to the Expert Appraisal Committee meeting in all cases of Screening of Category 'A'/B' projects or activities.

(iii) In case of Category 'B' projects or activities, this stage will entail the scrutiny of an application seeking prior environmental clearance made in Form 1 by the concerned State level Expert Appraisal Committee (SEAC) for determining whether or not the project or activity requires further environmental studies for preparation of

an Environmental Impact Assessment (EIA) for its appraisal prior to the grant of environmental clearance. The projects requiring an Environmental Impact Assessment report shall be termed Category 'B1' and remaining projects shall be termed Category 'B2' and will not require an EIA report.

(iv) In case of an application for prior environmental clearance for expansion and/or modernization and/or for change in the product mix of an existing project or activity, the same shall be screened by the Expert Appraisal Committee or the State level Expert Appraisal Committee concerned, depending upon the category of the project or activity resulting from the proposed expansion and/or modernization and/or change in the product mix, as for a greenfield project of the same category.

## II. Stage 2: Scoping:

(i) "Scoping": refers to the process by which the Expert Appraisal Committee in the case of Category 'A' projects or activities, and State level Expert Appraisal Committee in the case of Category 'B1' projects or activities, including screened applications for expansion and/or modernization and/or change in product mix of existing projects or activities, determine detailed and comprehensive Terms Of Reference (TOR) addressing all relevant environmental concerns for the preparation of an Environment Impact Assessment (EIA) Report in respect of the project or activity for which prior environmental clearance is sought. The Expert Appraisal Committee or State level Expert Appraisal Committee concerned shall determine the TOR on the basis of Form I, and if considered necessary by the EAC or SEAC concerned, a site visit by the relevant member(s) of the EAC or SEAC concerned, and other information that may be available with the EAC or SEAC concerned, in the prescribed format given in Appendix II. All projects and activities listed as Category 'B' in Item 8 of the Schedule (Construction) shall not require Scoping<sup>3</sup>.

(ii) The Terms of Reference (TOR) shall be conveyed to the applicant by the EAC or SEAC as concerned within sixty days of the receipt of Form 1. The TOR shall also be displayed on the website of the Ministry of Environment and Forests and the concerned SEIAA. Applications for prior environmental clearance may be rejected by the regulatory authority concerned on the recommendation of the EAC or SEAC concerned at this stage itself<sup>4</sup>. In case of such rejection, the decision, together with reasons for the same shall be communicated to the applicant in writing within sixty days of the receipt of the application.

<sup>3</sup> In other words, they will be appraised on the basis of Form 1 and Form 1A, and the conceptual plan.

<sup>4</sup> The consideration of the application for prior EC must be in accordance with the Objectives and Principles of the National Environment Policy. Reasons outside these Objectives and Principles are not to constitute a ground for acceptance or rejection of the application.

### III. Stage 3: Public Consultation:

- (i) "Public Consultation" refers to the process by which the concerns of local people and other concerned persons with respect to the potential adverse environmental impacts of the proposed project or activity are ascertained with a view to addressing the material concerns in the EIA and the Environment Management Plan (EMP). All Category 'A' and Category B1 projects or activities shall undertake Public Consultation<sup>5</sup>, except the following:
- (a) Modernization of irrigation projects (Item 1(c) (ii) of the Schedule).
  - (b) All projects or activities located within industrial estates or parks (Item 7(c) of the Schedule) approved by the concerned authorities, and which are not disallowed in such approvals.
  - (c) Expansion of Roads and Highways (Item 7 (f) of the Schedule) which do not involve any further acquisition of land.
  - (d) Construction projects with built up area less than 1,00,000 (1 lakh) square metres (Category 'B' of Item 8 (a) of the Schedule).
  - (e) All Category 'B2' projects and activities.
  - (f) All projects or activities concerning national defence and security as determined by the Central Government.
- (ii) The Public Consultation shall ordinarily have two components comprising of:
- (a) Public Hearing at the site or in its close proximity, district wise, for ascertaining the concerns of the local persons who have a plausible material stake in the environmental impacts of the project. The Public Hearing shall be carried out in the manner prescribed in Appendix IV.
  - (b) Responses by concerned persons in writing from other concerned persons having a plausible stake in the environmental aspects of the project or activity. The responses by the concerned persons shall be carried out in the following manner :
- (i) The regulatory authority concerned, shall invite responses by concerned persons through their websites by placing on their website the summary EIA report in the format given in Appendix III A prepared by the applicant within seven days of the receipt of a written request to the effect from the applicant, together with the summary EIA report, and the draft EIA report for a period of sixty days. The regulatory authority concerned may also use other appropriate media for ensuring

5 The Public Consultation is intended to ascertain, with a view to taking into account in the project/activity design as appropriate, the concerns of the local affected persons, and others who have a plausible stake in the environmental impacts of the project/activity.

wide publicity about the project or activity. The draft EIA report shall be made available by the regulatory authority concerned promptly to persons who request the same in writing within the period of sixty days. The regulatory authority concerned shall send copies of all the responses received to the applicant within seven days of expiry of the said period for receipt of responses from concerned persons..

(ii) The Public Hearing at, or in close proximity to, the site(s) in all cases shall be conducted by the State Pollution Control Board (SPCB) or the Union Territory Pollution Control Committee (UTPCC) concerned in the specified manner within sixty days of receipt of a request to the effect from the applicant. It shall send the proceedings of the public hearing within fifteen days thereafter directly to the applicant, the EAC or the SEAC concerned, and the regulatory authority concerned.

(iii) In case the State Pollution Control Board or the Union Territory Pollution Control Committee concerned does not undertake the public hearing within the specified period, and/or does not convey the proceedings of the public hearing within the prescribed period directly to the applicant, the EAC or SEAC concerned, and the regulatory authority concerned, the regulatory authority shall engage another public agency or authority which is not subordinate to the regulatory authority, to complete the process within a further period of forty five days, including communication of the proceedings of the public hearing, directly to the applicant, the EAC or SEAC concerned, and the regulatory authority concerned.

(iv) If the public agency or authority nominated under the sub paragraphs (ii) and (iii) above reports to the regulatory authority concerned that owing to the local situation, it is not possible to conduct the public hearing in a manner which will enable the views of the concerned local persons to be freely expressed, it shall report the facts in detail to the concerned regulatory authority, which may, after due consideration of the report and other reliable information that it may have, decide that the public consultation in the case need not include the public hearing.

(v) After completion of the public consultation, the applicant shall address all the material environmental concerns expressed in the process of public consultation, and make appropriate changes in the draft EIA and EMP. The final EIA report, so prepared, shall be submitted by the applicant to the concerned regulatory authority for appraisal.

#### IV. Stage 4: Appraisal:

(i) "Appraisal" means the detailed scrutiny of the application and the EIA report submitted by the applicant to the regulatory authority concerned, by the EAC or SEAC concerned. The appraisal shall be made by EAC or SEAC concerned in proceedings at which the applicant, at his option, may be heard in person or through his authorized representative. On conclusion of these proceedings, the EAC or SEAC concerned shall make categorical recommendations to the regulatory authority concerned either for grant of prior environmental clearance on stipulated

terms and conditions, or rejection of the application for prior environmental clearance, together with reasons for the same.

(ii) The appraisal of all projects or activities which are not required to undergo public consultation, or submit an EIA report, shall be carried out on the basis of Forms 1 or 1A as applicable, visit to the site(s) of the project or activity by the relevant member(s) of the EAC or SEAC concerned as duly authorized by the EAC or SEAC concerned, and other relevant information which is available to the EAC or SEAC concerned.

(iii) The appraisal shall be strictly in terms of the TOR finalized at the scoping stage and the concerns expressed during public consultation, and shall be completed within sixty days of the receipt of the EIA report where required, and otherwise the application in Form 1 or 1A. The procedure for appraisal is given in Appendix V.

## 7. Grant or Rejection of Prior Environmental Clearance (EC):

(i) The regulatory authority shall consider the recommendations of the EAC or SEAC concerned and convey its decision to the applicant within one hundred and twenty days of the receipt of the final EIA Report, and where EIA is not required, within one hundred and twenty days of the receipt of the complete application with relevant specified documents, except as provided below.

(ii) The regulatory authority shall normally accept the recommendations of the EAC or SEAC concerned. In cases where it disagrees with the recommendations of the EAC or SEAC concerned, the regulatory authority shall request reconsideration by the EAC or SEAC concerned within sixty days of the receipt of the recommendations of the EAC or SEAC concerned, together with its reasons for the disagreement, under intimation to the applicant. The EAC or SEAC concerned, in turn, shall consider the observations of the regulatory authority and furnish its views on the same within a further period of sixty days. The decision of the regulatory authority after considering the views of the EAC or SEAC concerned shall be final and conveyed to the applicant by the regulatory authority concerned within thirty days of receipt of these views of the EAC or SEAC concerned.

(iii) In the event that the decision of the regulatory authority is not communicated to the Applicant within the period specified in sub-paragraphs (i) or (ii) above, as applicable, the applicant may proceed as if the environment clearance sought for has been granted or denied by the regulatory authority in terms of the final recommendations of the EAC or SEAC concerned.

(iv) On expiry of the period specified for decision by the regulatory authority under paragraph (i) and (ii) above, as applicable, the decision of the regulatory authority,

and the final recommendations of the EAC or SEAC concerned shall be public documents.

(v) Clearances from other regulatory bodies or authorities shall not be required prior to receipt of applications for prior environmental clearance of projects or activities, or screening, or scoping, or appraisal, or decision by the regulatory authority concerned, unless any of these is sequentially dependent on such clearance either due to a requirement of law, or for necessary technical reasons.

(vi) Deliberate concealment /or submission of false or misleading information or data which is material to screening or scoping or appraisal or decision on the application shall make the application liable for rejection, and cancellation of prior environmental clearance granted on that basis. Rejection of an application or cancellation of a prior environmental clearance already granted, on such ground, may be decided by the regulatory authority, after giving a personal hearing to the applicant, and following the principles of natural justice.

#### **8. Validity of Environmental Clearance (EC):**

By "Validity of Environmental Clearance" is meant the period from which a prior environmental clearance is granted by the regulatory authority, or may be presumed by the applicant to have been granted under sub paragraph (iv) of paragraph 7 above, to the start of production operations by the project or activity, or completion of all construction operations in case of construction projects (Item 8 of the Schedule)<sup>6</sup>, to which the application for prior environmental clearance refers. The prior environmental clearance granted for a project or activity shall be valid for a period of ten years in the case of River Valley projects (Item 1(c) of the Schedule) and five years in the case of all other projects and activities. This period of validity may be extended by the regulatory authority concerned by a maximum period of five years provided an application is made to the regulatory authority by the applicant within the validity period, together with an updated Form 1, and Supplementary Form 1A, for Construction projects or activities (Item 8 of the Schedule). In this regard the regulatory authority may also consult the EAC or SEAC as the case may be. No extension for the validity period shall be granted beyond a total of fifteen years in the case of River Valley projects and a total of ten years in the case of all other projects and activities.

#### **9. Post Environmental Clearance Monitoring:**

(i) It shall be mandatory for the project management to submit half-yearly compliance reports in respect of the stipulated prior environmental clearance terms and conditions in hard and soft copies to the regulatory authority concerned, on 1st June and 1<sup>st</sup> December of each calendar year.

---

<sup>6</sup> The period of validity does not refer to any requirement of renewal of obtaining a fresh environmental clearance during the operational lifetime of a project or activity.

- (ii) All such compliance reports submitted by the project management shall be public documents. Copies of the same shall be given to any person on application to the concerned regulatory authority. The latest such compliance report shall also be displayed on the web site of the concerned regulatory authority.

**10. Transferability of Environmental Clearance (EC):**

A prior environmental clearance granted for a specific project or activity to an applicant may be transferred during its validity to another legal person entitled to undertake the project or activity on application by the transferor, or by the transferee with a written "no objection" by the transferor, to, and by the regulatory authority concerned, on the same terms and conditions under which the prior environmental clearance was initially granted, and for the same validity period. No reference to the EAC or SEAC concerned is necessary in such cases.

**11. Operation of EIA Notification, till disposal of pending cases :**

From the date of final publication of this notification the Environment Impact Assessment (EIA) notification number S.O.60(E) dated 27th January, 1994 as amended from time to time, shall stand superceded, except to the extent that in case of all or some types of applications made for prior environmental clearance and pending on the date of final publication of this notification, the Central Government may relax any one or all provisions of this notification, or continue operation of some or all provisions of the said notification for a period not exceeding one year from the date of issue of the aforesaid notification.

## SCHEDULE

LIST OF PROJECTS OR ACTIVITIES REQUIRING PRIOR  
ENVIRONMENTAL CLEARANCE

S.No.	Project or Activity	NIC code (2004)	ISIC Code	Category			Condition s if any			
				A	A/B	B				
				<b>Mining, extraction of natural resources and power generation (for a specified production capacity)</b>						
(a)	Mining of minerals	101excluding 10103, 102 excluding 10203, 120, 131, 132, 141, 142		≥ 50 ha. of mining lease area	< 50ha. > 15ha. of mining lease area	≤ 15 ha ≥ 5 ha of mining lease area.	General Condition (GC-1)			
(b)	Offshore and onshore oil and gas exploration, development & production	1110, 1120		All projects	-	-	-			
©	River Valley projects	40101, 45205, 45206		(i) ≥ 20 MW hydroelectric power generation; (ii) ≥ 10,000 ha. of culturable command area	-	(i) < 20 MW hydroelectric power generation; (ii) < 10,000 ha. of culturable command area	GC-1			
(d)	Thermal Power Plants	40102, 40103, 45207		≥ 500 MW (coal & gas based); ≥ 50 MW (diesel based)	-	< 500 MW (coal & gas based); <50 MW (diesel based)	GC-1			

S.No.	Project or Activity	NIC code (2004)	ISIC Code	Category			Conditions if any
				A	A/B	B	
(e)	Nuclear power projects and processing of nuclear fuel	40104, 45207 23300		All projects	-	-	
<b>Primary Processing</b>							
(a)	Coal washeries	10103, 10203		≥ 1 million ton/annum throughput of coal	-	<1million ton/annum throughput of coal	GC-1
(b)	Mineral beneficiation			≥ 0.1million ton/annum mineral throughput	-	< 0.1million ton/annum mineral throughput	GC-1
<b>Materials Production</b>							
(a)	Primary metallurgical industries (ferrous & non ferrous)	271 excluding 27120, 272		All projects	-	-	-
(b)	Sponge iron industry	27120		-	-	All projects	GC-1
(c)	Cement plants	26941,26 942, 26949		≥ 1.0 million tonnes/annum production capacity	-	<1.0 million tonnes/annum production capacity	GC-1
(d)	Manufacture of lead acid batteries	-		All projects	-	-	-
<b>Materials Processing</b>							
(a)	Petroleum refining industry	2320		All projects	-	-	-

S.No.	Project or Activity	NIC code (2004)	ISIC Code	Category			Condition s if any
				A	A/B	B	
(b)	Coke oven plants	231		All projects	-	-	-
(c)	Asbestos based products	-		All projects	-	-	-
(d)	Chlor-alkali industry, soda ash industry	24117*		≥ 100 TPD production capacity or located outside the notified industrial area/ estate	-	<100 TPD production capacity and located within a notified industrial area/ estate	GC-1 (No new Mercury Cell based plants will be permitted and existing units converting to membrane cell technology are exempted from this Notification )
(e)	Leather/skin/hide processing industry	1911 excluding 19116		-	-	Located within a notified industrial area/ estate	Specific condition (SC) (No new unit and expansion of an existing unit will be permitted outside a notified industrial area /estate)

Manufacturing/Fabrication

S.No.	Project or Activity	NIC code (2004)	ISIC Code	Category			Condition s if any
				A	A/B	B	
(a)	Chemical fertilizers	2412		All projects	-	-	-
(b)	Pesticides & Pesticides intermediates (excluding formulations)	2421*		All projects	-	-	-
(c)	Petro-chemical complexes (industries based on processing of petroleum fractions & natural gas and/or reforming to aromatics)			All projects	-	-	-
(d)	Manmade fibres manufacturing	2430		Rayon	-	Others	GC-1
(e)	Petrochemical based processing (processes other than cracking & reformation and not covered under the complexes)			Located out side the notified industrial area/ estate	-	Located in a notified industrial area/ estate	GC-1
(f)	Synthetic organic chemicals industry (dyes & dye intermediates; bulk drugs and intermediates; Synthetic rubbers; basic organic chemicals)	2411 excluding 24117*24 23 excluding 24236*; 2413*		Located out side the notified industrial area/ estate		Located in a notified industrial area/ estate	SC

S.No.	Project or Activity	NIC code (2004)	ISIC Code	Category			Condition s if any
				A	A/B	B	
(g)	Distilleries	1551,		(i) All Molasses based distilleries  (ii) All Cane juice/ non-molasses based distilleries ≥30 KLD		All Cane juice/non-molasses based distilleries – <30 KLD	GC-1
(h)	Integrated paint industry	24222				All projects	GC-1
(i)	Pulp & paper industry	2101		Pulp manufacturing and  Pulp& Paper manufacturing industry		(Paper manufacturing industry without pulp manufacturing)	GC-1
(j)	Sugar Industry	1542 excluding (gur & boora) 15422&2 3, 15426 & 27		-	-	≥ 2500 tcd cane crushing capacity	GC-1
(k)	Induction/arc furnaces			-	-	All projects	GC-1 & SC

S.No.	Project or Activity	NIC code (2004)	ISIC Code	Category			Conditions if any
				A	A/B	B	
(I)	Automobile manufacturing units (Scooters, motorcycles, cars, trucks and other heavy duty vehicles)	3410		-	All projects	-	
<b>Service Sectors</b>							
(a)	Oil & gas transportation pipe line (crude and refinery/ petrochemical products)	60300		All projects passing through more than one State/UT	-	All projects within a State or UT	
(b)	Isolated storage & handling of hazardous chemicals (As per threshold planning quantity indicated in column 3 of schedule 2 & 3 of MSIHC Rules 1989 amended 2000)	63023*		-	-	All projects	GC-1
<b>Physical Infrastructure Including Environmental Services</b>							
(a)	Air ports			All projects	-	-	-

S.No.	Project or Activity	NIC code (2004)	ISIC Code	Category			Conditions if any
				A	A/B	B	
(b)	All ship breaking yards including ship breaking units	35117		All projects	-	-	-
(c)	Industrial estates/ parks/ complexes/ areas, export processing Zones (EPZs), Special Economic Zones (SEZs), Biotech Parks, Leather Complexes, having projects or activities which require EC as per Schedule	-		All projects covering an area >50 ha.	All projects covering an area of <50 ha	-	-
(d)	Common hazardous waste treatment, storage and disposal facilities (TSDFs)	-	3712, 3722, 3800	All projects	-	-	-
(e)	Ports, Harbours	45203*		≥ 5 million TPA of cargo handling capacity (excluding fishing harbours)	-	< 5 million TPA of cargo handling capacity and/or ports/ harbours ≥10,000 TPA of fish handling capacity	GC-1

S.No.	Project or Activity	NIC code (2004)	SIC Code	Category			Conditions if any
				A	A/B	B	
(f)	Roads Highways	45203*		All new National Highways, Express ways and bypasses ≥ 30 km length or All National Highways, Express way expansion projects ≥ 30 km length and additional right of way of more than 20 m	-	All State Highway projects ≥ 30 km length or All State Highway expansion projects ≥ 30 km length and additional right of way of more than 20 m	GC-1
(g)	Aerial passengers ropeways ≥1000 metre above the sea level	45203*			All projects		
(h)	Common Effluent Treatment Plants (CETPs)	-		-	All projects		

S.No.	Project or Activity	NIC code (2004)	ISIC Code	Category			Condition s If any
				A	A/B	B	
(i)	Common Biomedical Waste Management Facility (CBMWF)	-		-	-	All projects	GC-1
(j)	Common Municipal Solid Waste Management Facility (CMSWMF)	90001		-	-	All projects	GC-1
(k)	Mass Rapid Transport Systems in Metro Cities	60212		All projects			
(l)	Flyovers, Bridges, Tunnels in urban areas	45203				All projects	GC-1
				Construction/Town(ship)/Commercial Complexes/Housing			
(a)	Construction of all projects (Residential and Non Residential)	45201, 45202, 85 110, 5510 1 including 4510, 453 0, 4540,		≥1,00,000 sq.mtrs of built-up area		≥20000 sq.mtrs and <1,00,00 0 sq.mtrs. of built-up area#	GC-2 built up area for covered construction; in the case of facilities open to the sky, it will be the activity area

S.No.	Project or Activity	NIC code (2004)	ISIC Code	Category			Conditions if any
				A	A/B	B	
(b)	New Towns, townships and settlement colonies.	7010		Covering an area $\geq 100$ ha.		Located in an area $\geq 50$ ha and $< 100$ ha	GC-2

**Note:**

- Code applicable only to the extent specified.

**Conditions:****General Conditions (GC):****GC-1**

Any project or activity specified in category 'B' will be treated as category 'A/B', if located in whole or in part within 10 km from the boundary of: (i) Protected Areas notified under the Wild Life (Protection) Act, 1972, (ii) Critically Polluted areas as identified by the Central Pollution Control Board from time to time, (iii) Notified Eco-sensitive areas, and (iv) inter-State boundaries.

**GC-2:**

Projects or activities specified in category 'B' in Sl. 8(a) or 8(b) of the Schedule shall be treated as "A/B" if located in whole or in part in the cities with population greater than three million as per the latest Census.

**Specific Conditions (SC):**

If any industrial estate/complex with homogeneous type of industries such as Items 3(b), 4(e), 5(f), 5(k) obtains prior environmental clearance, individual industries within such complexes will not be required to take prior environmental clearance, so long as the Terms and Conditions for the industrial complex/estate are complied with (Such estates/complexes must have a clearly identified management with the legal responsibility of ensuring

adherence to the Terms and Conditions of prior environmental clearance, who may be held responsible for violation of the same throughout the life of the complex/estate).

[No. J-11013/56/2004-IA-II (I)]

R. CHANDRAMOHAN, Jt. Secy.

## APPENDIX I

### FORM 1

#### (i) Basic Information

Name of the Project:

Location / site alternatives under consideration:

Size of the Project: \*

Expected cost of the project:

Contact Information:

Screening Category:

- Capacity corresponding to sectoral activity (such as production capacity for manufacturing, mining lease area and production capacity for mineral production, area for mineral exploration, length for linear transport infrastructure, generation capacity for power generation etc.).

## (II) Activity

1. Construction, operation or decommissioning of the Project involving actions, which will cause physical changes in the locality (topography, land use, changes in water bodies, etc.)

S.No.	Information/Checklist confirmation	Yes/No?	Details thereof (with approximate quantities /rates, wherever possible) with source of information data
1.1	Permanent or temporary change in land use, land cover or topography including increase in intensity of land use (with respect to local land use plan)		
1.2	Clearance of existing land, vegetation and buildings?		
1.3	Creation of new land uses?		
1.4	Pre-construction investigations e.g. bore houses, soil testing?		
1.5	Construction works?		
1.6	Demolition works?		
1.7	Temporary sites used for construction works or housing of construction workers?		
1.8	Above ground buildings, structures or earthworks including linear structures, cut and fill or excavations		
1.9	Underground works including mining or tunneling?		
1.10	Reclamation works?		
1.11	Dredging?		
1.12	Offshore structures?		
1.13	Production and manufacturing processes?		

1.14	Facilities for storage of goods or materials?		
1.15	Facilities for treatment or disposal of solid waste or liquid effluents?		
1.16	Facilities for long term housing of operational workers?		
1.17	New road, rail or sea traffic during construction or operation?		
1.18	New road, rail, air waterborne or other transport infrastructure including new or altered routes and stations, ports, airports etc?		
1.19	Closure or diversion of existing transport routes or infrastructure leading to changes in traffic movements?		
1.20	New or diverted transmission lines or pipelines?		
1.21	Impoundment, damming, culverting, realignment or other changes to the hydrology of watercourses or aquifers?		
1.22	Stream crossings?		
1.23	Abstraction or transfers of water from ground or surface waters?		
1.24	Changes in water bodies or the land surface affecting drainage or run-off?		
1.25	Transport of personnel or materials for construction, operation or decommissioning?		
1.26	Long-term dismantling or decommissioning or restoration works?		
1.27	Ongoing activity during decommissioning which could have an impact on the environment?		
1.28	Influx of people to an area in either temporarily or permanently?		
1.29	Introduction of alien species?		

1.30	Loss of native species or genetic diversity?		
1.31	Any other actions?		

**2. Use of Natural resources for construction or operation of the Project (such as land, water, materials or energy, especially any resources which are non-renewable or in short supply):**

S.No.	Information/checklist confirmation	Yes/No?	Details thereof (with approximate quantities /rates, wherever possible) with source of information data
2.1	Land especially undeveloped or agricultural land (ha)		
2.2	Water (expected source & competing users) unit: KLD		
2.3	Minerals (MT)		
2.4	Construction material – stone, aggregates, sand / soil (expected source – MT)		
2.5	Forests and timber (source – MT)		
2.6	Energy including electricity and fuels (source, competing users) Unit: fuel (MT), energy (MW)		
2.7	Any other natural resources (use appropriate standard units)		

**3. Use, storage, transport, handling or production of substances or materials, which could be harmful to human health or the environment or raise concerns about actual or perceived risks to human health.**

			Details thereof (with approximate
--	--	--	-----------------------------------

S.No.	Information/Checklist confirmation	Yes/No?	quantities/rates, wherever possible) with source of information data
3.1	Use of substances or materials, which are hazardous (as per MSIHC rules) to human health or the environment (flora, fauna, and water supplies)		
3.2	Changes in occurrence of disease or affect disease vectors (e.g. insect or water borne diseases)		
3.3	Affect the welfare of people e.g. by changing living conditions?		
3.4	Vulnerable groups of people who could be affected by the project e.g. hospital patients, children, the elderly etc.,		
3.5	Any other causes		

**4. Production of solid wastes during construction or operation or decommissioning (MT/month)**

S.No.	Information/Checklist confirmation	Yes/No?	Details thereof (with approximate quantities/rates, wherever possible) with source of information data
4.1	Spoil, overburden or mine wastes		
4.2	Municipal waste (domestic and or commercial wastes)		

4.3	Hazardous wastes (as per Hazardous Waste Management Rules)		
4.4	Other industrial process wastes		
4.5	Surplus product		
4.6	Sewage sludge or other sludge from effluent treatment		
4.7	Construction or demolition wastes		
4.8	Redundant machinery or equipment		
4.9	Contaminated soils or other materials		
4.10	Agricultural wastes		
4.11	Other solid wastes		

**5. Release of pollutants or any hazardous, toxic or noxious substances to air (Kg/hr)**

S.No.	Information/Checklist confirmation	Yes/No?	Details thereof (with approximate quantities/rates, wherever possible) with source of information data

5.1	Emissions from combustion of fossil fuels from stationary or mobile sources		
5.2	Emissions from production processes		
5.3	Emissions from materials handling including storage or transport		
5.4	Emissions from construction activities including plant and equipment		
5.5	Dust or odours from handling of materials including construction materials, sewage and waste		
5.6	Emissions from incineration of waste		
5.7	Emissions from burning of waste in open air (e.g. slash materials, construction debris)		
5.8	Emissions from any other sources		

#### 6. Generation of Noise and Vibration, and Emissions of Light and Heat:

S.No.	Information/Checklist confirmation	Yes/No?	Details thereof (with approximate quantities/rates, wherever possible) with source of information data with source of information data
6.1	From operation of equipment e.g. engines, ventilation plant, crushers		

6.2	From industrial or similar processes		
6.3	From construction or demolition		
6.4	From blasting or piling		
6.5	From construction or operational traffic		
6.6	From lighting or cooling systems		
6.7	From any other sources		

7. Risks of contamination of land or water from releases of pollutants into the ground or into sewers, surface waters, groundwater, coastal waters or the sea:

S.No.	Information/Checklist confirmation	Yes/No?	Details thereof (with approximate quantities/rates, wherever possible) with source of information data
7.1	From handling, storage, use or spillage of hazardous materials		

7.2	From discharge of sewage or other effluents to water or the land (expected mode and place of discharge)		
7.3	By deposition of pollutants emitted to air into the land or into water		
7.4	From any other sources		
7.5	Is there a risk of long term build up of pollutants in the environment from these sources?		

**8. Risk of accidents during construction or operation of the Project, which could affect human health or the environment**

S.No.	Information/Checklist confirmation	Yes/No?	Details thereof (with approximate quantities/rates, wherever possible) with source of information data
8.1	From explosions, spillages, fires etc from storage, handling, use or production of hazardous substances		
8.2	From any other causes		
8.3	Could the project be affected by natural disasters causing environmental damage (e.g. floods, earthquakes, landslides, cloudburst etc)?		

**9. Factors which should be considered (such as consequential development) which could lead to environmental effects or the potential for cumulative impacts with other existing or planned activities in the locality**

		Details thereof (with
--	--	-----------------------

S. No.	Information/Checklist confirmation	Yes/No?	approximate quantities/rates, wherever possible) with source of information data
9.1	<p>Lead to development of supporting activities, ancillary development or development stimulated by the project which could have impact on the environment e.g.:</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• Supporting infrastructure (roads, power supply, waste or waste water treatment, etc.)</li> <li>• housing development</li> <li>• extractive industries</li> <li>• supply industries</li> <li>• other</li> </ul>		
9.2	Lead to after-use of the site, which could have an impact on the environment		
9.3	Set a precedent for later developments		
9.4	Have cumulative effects due to proximity to other existing or planned projects with similar effects		

(III) **Environmental Sensitivity**

S.No.	Areas	Name/Identity	Aerial distance (within 25 km.) Proposed project location boundary
1	Areas protected under international conventions, national or local legislation for their ecological, landscape, cultural or other		

related value		
2	Areas which are important or sensitive for ecological reasons - Wetlands, watercourses or other water bodies, coastal zone, biospheres, mountains, forests	
3	Areas used by protected, important or sensitive species of flora or fauna for breeding, nesting, foraging, resting, overwintering, migration	
4	Inland, coastal, marine or underground waters	
5	State, National boundaries	
6	Routes or facilities used by the public for access to recreation or other tourist, pilgrim areas	
7	Defence installations	
8	Densely populated or built-up area	
9	Areas occupied by sensitive man-made land uses ( <i>hospitals, schools, places of worship, community facilities</i> )	
10	Areas containing important, high quality or scarce resources ( <i>ground water resources, surface resources, forestry, agriculture, fisheries, tourism, minerals</i> )	
11	Areas already subjected to pollution or environmental damage. ( <i>those where existing legal environmental standards are exceeded</i> )	
12	Areas susceptible to natural hazard which could cause the project to present environmental problems ( <i>earthquakes, subsidence, landslides, erosion, flooding or extreme or adverse climatic conditions</i> )	

## APPENDIX II

### FORM-1 A (only for construction projects listed under item 8 of Schedule)

#### CHECKLIST OF ENVIRONMENTAL IMPACTS

(Project proponents are required to provide full information and wherever necessary attach explanatory notes with the Form and submit along with proposed environmental management plan & monitoring programme)

##### 1. LAND ENVIRONMENT

(Attach panoramic view of the project site & the vicinity)

- 1.1. Will the existing landuse get significantly altered from the project that is not consistent with the surroundings? (Proposed landuse must conform to the approved Master Plan / Development Plan of the area. Change of landuse if any and the statutory approval from the competent authority be submitted). Attach Maps of (i)site location, (ii) surrounding features of the proposed site (within 500 meters) and (iii) the site (indicating levels & contours) to appropriate scales.
- 1.2. List out all the major project requirements in terms of the land area, built up area, water consumption, power requirement, connectivity, community facilities, parking needs etc.
- 1.3. What are the likely impacts of the proposed activity on the existing facilities adjacent to the proposed site? (Such as open spaces, community facilities, details of the existing landuse, disturbance to the local ecology)
- 1.4. Will there be any significant land disturbance resulting in erosion, subsidence & instability? (Details of soil type, slope analysis, vulnerability to subsidence, seismicity etc may be given)
- 1.5. Will the proposal involve alteration of natural drainage systems? (Give details on a contour map showing the natural drainage near the proposed project site)
- 1.6. What are the quantities of earthwork involved in the construction activity-cutting, filling, reclamation etc. (Give details of the quantities of earthwork involved, transport of fill materials from outside the site etc.)

1.7. Give details regarding water supply, waste handling etc during the construction period.

1.8. Will the low lying areas & wetlands get altered? (Provide details of how low lying and wetlands are getting modified from the proposed activity)

1.9. Whether construction debris & waste during construction cause health hazard? (Give quantities of various types of wastes generated during construction including the construction labour and the means of disposal)

## 2. WATER ENVIRONMENT

2.1. Give the total quantity of water requirement for the proposed project with the breakup of requirements for various uses. How will the water requirement be met? State the sources & quantities and furnish a water balance statement.

2.2. What is the capacity (dependable flow or yield) of the proposed source of water?

2.3. What is the quality of water required, in case, the supply is not from a municipal source? (Provide physical, chemical, biological characteristics with class of water quality)

2.4. How much of the water requirement can be met from the recycling of treated wastewater? (Give the details of quantities, sources and usage)

2.5. Will there be diversion of water from other users? (Please assess the impacts of the project on other existing uses and quantities of consumption)

2.6. What is the incremental pollution load from wastewater generated from the proposed activity? (Give details of the quantities and composition of wastewater generated from the proposed activity)

2.7. Give details of the water requirements met from water harvesting? Furnish details of the facilities created.

2.8. What would be the impact of the land use changes occurring due to the proposed project on the runoff characteristics (quantitative as well as qualitative) of the area in the post construction phase on a long term

basis? Would it aggravate the problems of flooding or water logging in any way?

2.9. What are the impacts of the proposal on the ground water? (Will there be tapping of ground water; give the details of ground water table, recharging capacity, and approvals obtained from competent authority, if any)

2.10. What precautions/measures are taken to prevent the run-off from construction activities polluting land & aquifers? (Give details of quantities and the measures taken to avoid the adverse impacts)

2.11. How is the storm water from within the site managed? (State the provisions made to avoid flooding of the area, details of the drainage facilities provided along with a site layout indication contour levels)

2.12. Will the deployment of construction labourers particularly in the peak period lead to unsanitary conditions around the project site (Justify with proper explanation)

2.13. What on-site facilities are provided for the collection, treatment & safe disposal of sewage? (Give details of the quantities of wastewater generation, treatment capacities with technology & facilities for recycling and disposal)

2.14. Give details of dual plumbing system if treated waste used is used for flushing of toilets or any other use.

### **3. VEGETATION**

3.1. Is there any threat of the project to the biodiversity? (Give a description of the local ecosystem with its unique features, if any)

3.2. Will the construction involve extensive clearing or modification of vegetation? (Provide a detailed account of the trees & vegetation affected by the project)

3.3. What are the measures proposed to be taken to minimize the likely impacts on important site features (Give details of proposal for tree plantation, landscaping, creation of water bodies etc along with a layout plan to an appropriate scale)

#### 4. FAUNA

4.1. Is there likely to be any displacement of fauna- both terrestrial and aquatic or creation of barriers for their movement? Provide the details.

4.2. Any direct or indirect impacts on the avifauna of the area? Provide details.

4.3. Prescribe measures such as corridors, fish ladders etc to mitigate adverse impacts on fauna

#### 5. AIR ENVIRONMENT

5.1. Will the project increase atmospheric concentration of gases & result in heat islands? (Give details of background air quality levels with predicted values based on dispersion models taking into account the increased traffic generation as a result of the proposed constructions)

5.2. What are the impacts on generation of dust, smoke, odorous fumes or other hazardous gases? Give details in relation to all the meteorological parameters.

5.3. Will the proposal create shortage of parking space for vehicles? Furnish details of the present level of transport infrastructure and measures proposed for improvement including the traffic management at the entry & exit to the project site.

5.4. Provide details of the movement patterns with internal roads, bicycle tracks, pedestrian pathways, footpaths etc., with areas under each category.

5.5. Will there be significant increase in traffic noise & vibrations? Give details of the sources and the measures proposed for mitigation of the above.

5.6. What will be the impact of DG sets & other equipment on noise levels & vibration in & ambient air quality around the project site? Provide details.

#### 6. AESTHETICS

6.1. Will the proposed constructions in any way result in the obstruction of a view, scenic amenity or landscapes? Are these considerations taken into account by the proponents?

6.2. Will there be any adverse impacts from new constructions on the existing structures? What are the considerations taken into account?

6.3. Whether there are any local considerations of urban form & urban design influencing the design criteria? They may be explicitly spelt out.

6.4. Are there any anthropological or archaeological sites or artefacts nearby? State if any other significant features in the vicinity of the proposed site have been considered.

## 7. SOCIO-ECONOMIC ASPECTS

7.1. Will the proposal result in any changes to the demographic structure of local population? Provide the details.

7.2. Give details of the existing social infrastructure around the proposed project.

7.3. Will the project cause adverse effects on local communities, disturbance to sacred sites or other cultural values? What are the safeguards proposed?

## 8. BUILDING MATERIALS

8.1. May involve the use of building materials with high-embodied energy. Are the construction materials produced with energy efficient processes? (Give details of energy conservation measures in the selection of building materials and their energy efficiency)

8.2. Transport and handling of materials during construction may result in pollution, noise & public nuisance. What measures are taken to minimize the impacts?

8.3. Are recycled materials used in roads and structures? State the extent of savings achieved?

8.4. Give details of the methods of collection, segregation & disposal of the garbage generated during the operation phases of the project.

## 9. ENERGY CONSERVATION

9.1. Give details of the power requirements, source of supply, backup source etc. What is the energy consumption assumed per square foot of built-up area? How have you tried to minimize energy consumption?

9.2. What type of, and capacity of, power back-up do you plan to provide?

9.3. What are the characteristics of the glass you plan to use? Provide specifications of its characteristics related to both short wave and long wave radiation?

9.4. What passive solar architectural features are being used in the building? Illustrate the applications made in the proposed project.

9.5. Does the layout of streets & buildings maximise the potential for solar energy devices? Have you considered the use of street lighting, emergency lighting and solar hot water systems for use in the building complex? Substantiate with details.

9.6. Is shading effectively used to reduce cooling/heating loads? What principles have been used to maximize the shading of Walls on the East and the West and the Roof? How much energy saving has been effected?

9.7. Do the structures use energy-efficient space conditioning, lighting and mechanical systems? Provide technical details. Provide details of the transformers and motor efficiencies, lighting intensity and air-conditioning load assumptions? Are you using CFC and HCFC free chillers? Provide specifications.

9.8. What are the likely effects of the building activity in altering the micro-climates? Provide a self assessment on the likely impacts of the proposed construction on creation of heat island & inversion effects?

9.9. What are the thermal characteristics of the building envelope? (a) roof; (b) external walls; and (c) fenestration? Give details of the material used and the U-values or the R values of the individual components.

9.10. What precautions & safety measures are proposed against fire hazards? Furnish details of emergency plans.

9.11. If you are using glass as wall material provides details and specifications including emissivity and thermal characteristics.

9.12. What is the rate of air infiltration into the building? Provide details of how you are mitigating the effects of infiltration.

9.13. To what extent the non-conventional energy technologies are utilised in the overall energy consumption? Provide details of the renewable energy technologies used.

## 10. Environment Management Plan

The Environment Management Plan would consist of all mitigation measures for each item wise activity to be undertaken during the construction,

operation and the entire life cycle to minimise adverse environmental impacts as a result of the activities of the project. It would also delineate the environmental monitoring plan for compliance of various environmental regulations. It will state the steps to be taken in case of emergency such as accidents at the site including fire.

### APPENDIX III

#### GENERIC STRUCTURE OF ENVIRONMENTAL IMPACT ASSESSMENT DOCUMENT

S.NO	EIA STRUCTURE	CONTENTS
1.	Introduction	<ul style="list-style-type: none"> <li>• Purpose of the report</li> <li>• Identification of project &amp; project proponent</li> <li>• Brief description of nature, size, location of the project and its importance to the country, region</li> <li>• Scope of the study – details of regulatory scoping carried out (As per Terms of Reference)</li> </ul>
2.	Project Description	<ul style="list-style-type: none"> <li>• Condensed description of those aspects of the project (based on project feasibility study), likely to cause environmental effects. Details should be provided to give clear picture of the following:</li> <li>• Type of project</li> <li>• Need for the project</li> <li>• Location (maps showing general location, specific location, project boundary &amp; project site layout)</li> <li>• Size or magnitude of operation (incl. Associated activities required by or for the project)</li> <li>• Proposed schedule for approval and implementation</li> <li>• Technology and process description</li> <li>• Project description. Including drawings showing project layout, components of project etc. Schematic representations of the feasibility drawings which give information important for EIA purpose</li> <li>• Description of mitigation measures incorporated into the project to meet environmental standards, environmental operating conditions, or other EIA requirements (as required by the scope)</li> </ul>

		<ul style="list-style-type: none"> <li>Assessment of New &amp; untested technology for the risk of technological failure</li> </ul>
3.	Description of the Environment	<ul style="list-style-type: none"> <li>Study area, period, components &amp; methodology</li> <li>Establishment of baseline for valued environmental components, as identified in the scope</li> <li>Base maps of all environmental components</li> </ul>
4.	Anticipated Environmental Impacts & Mitigation Measures	<ul style="list-style-type: none"> <li>Details of Investigated Environmental impacts due to project location, possible accidents, project design, project construction, regular operations, final decommissioning or rehabilitation of a completed project</li> <li>Measures for minimizing and / or offsetting adverse impacts identified</li> <li>Irreversible and Irretrievable commitments of environmental components</li> <li>Assessment of significance of impacts (Criteria for determining significance, Assigning significance)</li> <li>Mitigation measures</li> </ul>
5.	Analysis of Alternatives (Technology & Site)	<ul style="list-style-type: none"> <li>In case, the scoping exercise results in need for alternatives: <ul style="list-style-type: none"> <li>Description of each alternative</li> <li>Summary of adverse impacts of each alternative</li> <li>Mitigation measures proposed for each alternative and</li> <li>Selection of alternative</li> </ul> </li> </ul>
6.	Environmental Monitoring Program	<ul style="list-style-type: none"> <li>Technical aspects of monitoring the effectiveness of mitigation measures (incl. Measurement methodologies, frequency, location, data analysis, reporting schedules, emergency procedures, detailed budget &amp; procurement schedules)</li> </ul>

7.	Additional Studies	<ul style="list-style-type: none"> <li>• Public Consultation</li> <li>• Risk assessment</li> <li>• Social Impact Assessment, R&amp;R Action Plans</li> </ul>
8.	Project Benefits	<ul style="list-style-type: none"> <li>• Improvements in the physical infrastructure</li> <li>• Improvements in the social infrastructure</li> <li>• Employment potential –skilled; semi-skilled and unskilled</li> <li>• Other tangible benefits</li> </ul>
9.	Environmental Cost Benefit Analysis	If recommended at the Scoping stage
10.	EMP	<ul style="list-style-type: none"> <li>• Description of the administrative aspects of ensuring that mitigative measures are implemented and their effectiveness monitored, after approval of the EIA</li> </ul>
11	Summary & Conclusion (This will constitute the summary of the EIA Report )	<ul style="list-style-type: none"> <li>• Overall justification for implementation of the project</li> <li>• Explanation of how, adverse effects have been mitigated</li> </ul>
12.	Disclosure of Consultants engaged	<ul style="list-style-type: none"> <li>• The names of the Consultants engaged with their brief resume and nature of Consultancy rendered</li> </ul>

### APPENDIX III A

#### CONTENTS OF SUMMARY ENVIRONMENTAL IMPACT ASSESSMENT

The Summary EIA shall be a summary of the full EIA Report condensed to ten A-4 size pages at the maximum. It should necessarily cover in brief the following Chapters of the full EIA Report:-

1. Project Description :
2. Description of the Environment :
3. Anticipated Environmental impacts and mitigation measures :
4. Environmental Monitoring Programme :
5. Additional Studies :
6. Project Benefits :
7. Environment Management Plan :

## APPENDIX IV

## PROCEDURE FOR CONDUCT OF PUBLIC HEARING

1.0 The Public Hearing shall be arranged in a systematic, time bound and transparent manner ensuring widest possible public participation at the project site(s) or in its close proximity District -wise, by the concerned State Pollution Control Board or Union Territory Pollution Control Committee.

## 2.0 The Process:

2.1 The Applicant shall make a request through a simple letter to the Member Secretary of the State Pollution Control Board or Union Territory Pollution Control Committee, in whose jurisdiction the project is located, to arrange the public hearing within the prescribed statutory period. In case the project site is extending beyond a State or Union Territory, the public hearing is mandated in each State or Union Territory in which the project is sited and the Applicant shall make separate requests to each concerned State Pollution Control Board or Union Territory Pollution Control Committee for holding the public hearing as per this procedure.

2.2 The Applicant shall enclose with the letter of request, at least 10 hard copies and an equivalent number of soft (electronic) copies of the draft EIA Report including the Summary Environment Impact Assessment report in English and in the local language) with the generic structure given in Appendix III, prepared strictly in accordance with on the basis of the Terms of Reference communicated after Scoping (Stage-2). Simultaneously the applicant shall arrange to forward copies, one hard and one soft, of the above draft EIA Report to the Ministry of Environment and Forests and to the following authorities or offices, within whose jurisdiction the project will be located:

- (a) District Magistrate/s
- (b) Zila Parishad or Municipal Corporation
- (c) District Industries Office
- (d) Concerned Regional Office of the Ministry of Environment and Forests

2.3 On receiving the draft Environmental Impact Assessment report, the above-mentioned authorities except the MoEF, shall arrange to widely publicize it within their respective jurisdictions requesting the interested persons to send their comments to the concerned regulatory authorities. They shall also make available the draft EIA Report for inspection electronically or otherwise to the public during normal office hours till the

Public Consultation are over. The Ministry of Environment and Forests shall promptly display the Summary of the draft Environmental Impact Assessment report on its website, and also make the full draft EIA available in Ministry's Library at New Delhi for reference.

**2.4** The State Pollution Control Board or Union Territory Pollution Control Committee concerned shall also make similar arrangements for giving publicity about the project within the State/Union Territory and make available the Summary of the draft Environmental Impact Assessment report (Appendix III A) for inspection in select offices or public libraries or panchayats etc. They shall also additionally make available a copy of the draft Environmental Impact Assessment report to the above five authorities/offices viz, Ministry of Environment and Forests, District Magistrate etc.

**3.0 Notice of Public Hearing:**

**3.1** The Member-Secretary of the concerned State Pollution Control Board or Union Territory Pollution Control Committee shall finalise the date, time and exact venue for the conduct of public hearing within 30 days of the date of receipt of the draft Environmental Impact Assessment report from the project proponent, and advertise the same in one major National Daily and one Regional vernacular Daily. A minimum notice period of 30 days shall be provided to the public for furnishing their responses;

**3.2** The advertisement shall also inform the public about the composition of the panel constituted for conducting the public hearing and the places or offices where the public could access the draft Environmental Impact Assessment report and the Summary Environmental Impact Assessment report.

**3.3** No postponement of the date, time, venue of the public hearing shall be undertaken, unless some untoward emergency situation occurs and only on the recommendation of the concerned District Magistrate. The postponement shall be notified to the public through the same National and Regional vernacular dailies and also be prominently displayed at all the identified offices;

**3.4** In the above exceptional circumstances fresh date, time and venue for the public consultation shall be decided by the Member-Secretary of the concerned State Pollution Control Board or Union Territory Pollution Control Committee only in consultation with the District Magistrate and notified afresh as per procedure under 3.1 above.

#### 4.0 The Panel

4.1 A panel under the Chairmanship of the District Magistrate or his or her representative not below the rank of an Additional District Magistrate, shall supervise and preside over the entire public hearing process. The other members of the Panel shall be:

- (i) Local MLA
- (ii) Three representatives of the local bodies such as Municipalities or Panchayats nominated by the State or Union Territory Environment Department with at least one woman and one member from the SC/ST;
- (iii) Three prominent citizens of the area nominated by the District Magistrate with at least one woman and one person belonging to the SC/ST
- (iv) Representative of State Pollution Control Board or Union Territory Pollution Control Committee
- (v) Three Sectoral Experts nominated by the State Pollution Control Board or Union Territory Pollution Control Committee

#### 5.0 Videography

5.1 The State Pollution Control Board or Union Territory Pollution Control Committee shall arrange to video film the entire proceedings. A copy of the videotape or a CD shall be enclosed with the public hearing proceedings while forwarding it to the Regulatory Authority concerned.

#### 6.0 Proceedings

6.1 The attendance of all those who are present at the venue shall be noted and annexed with the final proceedings.

6.2 There shall be no quorum required for attendance for starting the proceedings but at least half the number of the panelists and the District Magistrate or his representative should be present.

6.3 A representative of the applicant shall initiate the proceedings with a presentation on the project and the Summary EIA report.

6.4 Every person present at the venue shall be granted the opportunity to seek information or clarifications on the project from the Applicant and the panel members. The summary of the public hearing proceedings accurately reflecting all the views and concerns expressed

shall be recorded by the representative of the State Pollution Control Board or Union Territory Pollution Control Committee and read over to the audience at the end of the proceedings explaining the contents in the vernacular language. All the members of the panel present shall then sign the proceedings.

**6.5** A Statement of the issues raised by the public and the comments of the Applicant shall also be prepared in the local language and in English and annexed to the proceedings:

**6.6** The proceedings of the public hearing shall conspicuously be displayed at the office of the Panchayats within whose jurisdiction the project is located, office of the concerned Zila Parishad, District Magistrate, and the State Pollution Control Board or Union Territory Pollution Control Committee for a period of 30 days. The State Pollution Control Board or Union Territory Pollution Control Committee shall also display the proceedings on its website for general information. Comments, if any, on the proceedings may be sent directly to the concerned regulatory authorities and the Applicant concerned.

**7.0 Time period for completion of public hearing**

**7.1** The public hearing shall be completed within a period of 60 days from date of receipt of the request letter from the Applicant and the proceedings shall be sent to the concerned regulatory authority within an additional period of 30 days. The applicant may also directly forward a copy of the approved public hearing proceedings to the regulatory authority concerned along with the final Environmental Impact Assessment report.

**7.2** If the State Pollution Control Board or Union Territory Pollution Control Committee fails to hold the public hearing within the stipulated sixty days, the Central Government in Ministry of Environment and Forests for Category 'A' project or activity and the State Government or Union Territory Administration for Category 'B' project or activity at the request of the SEIAA, shall engage any other agency or authority to complete the process, as per procedure laid down in this notification.

**APPENDIX V**  
**PROCEDURE PRESCRIBED FOR APPRAISAL**

1. The applicant shall apply to the concerned regulatory authority through a simple communication enclosing the following documents:-
  - Final EIA Report [20(twenty) hard copies and 1 (one) soft copy)]

- A copy of the video tape or CD of the public hearing proceedings
  - A copy of final layout plan (20 copies)
  - A copy of the project feasibility report (1 copy)
2. The Final EIA Report and the other relevant documents submitted by the applicant shall be scrutinized in office within 30 days from the date of its receipt by the concerned Regulatory Authority with reference to the TOR and the inadequacies noted shall be communicated electronically or otherwise in a single set to the Members of the EAC /SEAC enclosing a copy each of the Final EIA Report including the public hearing proceedings and other public responses received and copy of FORM -1.
3. Where a formal EIA study is not required, the applicant shall apply enclosing the additional clarifications sought by the EAC /SEAC at the scoping stage. These clarifications shall be scrutinized within 30 days of its receipt and forwarded to all the Members of the EAC /SEAC along with the comments and a copy of FORM-1. No application requesting for the appraisal of the project is required to be made by the Applicant to the concerned Regulatory Authority if no additional clarifications have been sought by the EAC /SEAC at the scoping stage.
4. A copy of all above communications addressed to the Members of the EAC or SEAC concerned shall also be endorsed to the Applicant
5. Every project proposal shall be placed before the EAC /SEAC and its appraisal completed within 60 days of the receipt of the above application with requisite documents / details from the project proponent.
6. The applicant shall be informed at least 15 (fifteen) days prior to the scheduled date of the EAC /SEAC meeting for considering the project proposal.
7. The EAC /SEAC shall appraise the final Environmental Impact Assessment report only with reference to the TOR's.
- 8.. The minutes of the EAC /SEAC meeting shall be finalised within 5 working days of the meeting and displayed on the website of the concerned regulatory authority. In case the project or activity is recommended for grant of EC, then the minutes shall clearly list out the specific environmental safeguards and conditions. In case the recommendations are for rejection, the reasons for the same shall also be explicitly stated.

## APPENDIX VI

### COMPOSITION OF THE SECTOR SPECIFIC ENVIRONMENTAL APPRAISAL COMMITTEE (EAC) FOR CATEGORY A PROJECTS TO BE CONSTITUTED BY THE CENTRAL GOVERNMENT

1. The Expert Appraisal Committees (EAC(s) shall consist of only professionals and experts fulfilling the following eligibility criteria:

**Professional:** The person should have at least (i) 5 years of formal University training in the concerned discipline leading to a MA/MSc Degree, or (ii) in case of Engineering /Technology/Architecture disciplines, 4 years formal training in a professional training course together with prescribed practical training in the field leading to a B.Tech/B.E./B.Arch. Degree, or (iii) Other professional degree (e.g. Law) involving a total of 5 years of formal University training and prescribed practical training, or (iv) Prescribed apprenticeship/article ship and pass examinations conducted by the concerned professional association (e.g. Chartered Accountancy ),or (v) a University degree , followed by 2 years of formal training in a University or Service Academy (e.g. MBA/IAS/IFS). In selecting the individual professionals, experience gained by them in their respective fields will be taken note of.

**Expert:** A professional fulfilling the above eligibility criteria with at least 15 years of relevant experience in the field, or with an advanced degree (e.g.Ph.D.) in a concerned field and at least 10 years of relevant experience.

**Age:** Below 70 years. However, in the event of the non-availability of /paucity of experts in a given field , the maximum age of a member of the Expert Appraisal Committee may be allowed up to 75 years

2. The Members of the EAC shall be Experts with the requisite expertise and experience in the following fields /disciplines. In the event that persons fulfilling the criteria of "Experts" are not available, Professionals in the same field with sufficient experience may be considered:

- **Environment Quality Experts:** Experts in measurement/monitoring, analysis and interpretation of data in relation to environmental quality
- **Sectoral Experts in Project Management:** Experts in Project Management or Management of Process/Operations/Facilities in the relevant sectors.
- **Environmental Impact Assessment Process Experts:** Experts in conducting and carrying out Environmental Impact Assessments (EIAs) and

preparation of Environmental Management Plans ( EMPS) and other Management plans and who have wide expertise and knowledge of predictive techniques and tools used in the EIA process

- **Risk Assessment Experts**
- **Life Science Experts in floral and faunal management**
- **Forestry and Wildlife Experts**
- **Environmental Economics Expert with experience in project appraisal**

3. The Membership of the EAC shall not exceed 15 (fifteen) regular Members. However the Chairperson may co-opt an expert as a Member in a relevant field for a particular meeting of the Committee.

4. The Chairperson shall be an outstanding and experienced environmental policy expert or expert in management or public administration with wide experience in the relevant development sector.

5. The Chairperson shall nominate one of the Members as the Vice Chairperson shall preside over the EAC in the absence of the Chairman /Chairperson.

6. A representative of the Ministry of Environment and Forests shall assist the Committee as its Secretary.

7. The maximum tenure of a Member, including Chairperson, shall be for 2 (two) terms of 3 (three) years each.

